RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः329, बुधवार, 14 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

संघर्ष की धरती से उभरी सितारा बेटीः अरेराज की हानिया हुमैरा ने बिहार महिला अंडर-15 क्रिकेट... 03

सहस्त्रलिंगम शिवलिंग ने रचा आस्था का इतिहास, चम्पारण में उमड़ा भक्तों का महासैलाब 04

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम का टीजर रिलीज, एक्शन अवतार में नजर... 07

बीजेपी के नेताओं से मिला सीपीसी का प्रतिनिधिमंडल

- भड़की कांग्रेस, पूछा-चीन से कौन सा गुप्त समझौता हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में कई नेताओं से मुलाकात की। चीन के साथ शक्सगाम घाटी पर गरमाए विवाद के बीच कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना और बीजेपी नेताओं की इस मुलाकात को लेकर अब कांग्रेस ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस ने सवाल पूछते हुए कहा कि बीजेपी-चीन में कौन सा गुप्त समझौता हुआ और पीएम मोदी चीन का लाल आंख कब दिखाएंगे। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रेनेत ने मंगलवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर बीजेपी और सीपीसी नेताओं की मुलाकात की तस्वीर शेयर करते

हुए कहा कि बीजेपी के नेता और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के बीच मीटिंग हो रही है। यह वही चीन है जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया था, गलवान में हमारे जांबाजों ने शहादत हुई। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि, चीन लद्दाख में अतिक्रमण किए बैठा है, अरुणाचल में गांव बसा रहा है और यहां बातचीत हो रही है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि यह रिश्ता क्या कहलाता है? बीजेपी ने क्यों किया देशद्रोह? बीजेपी-चीन में कौन सा गुप्त समझौता हुआ है।

वेनेजुएला से निकले रूसी तेल टैंकर से अरेस्ट भारतीय छूटे

- अमेरिका ने भारत को दी गुड न्यूज, 3 भारतीयों को किया रिहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से निकले रूसी झंडे वाले तेल टैंकर जहाज पर तैनात भारतीय क्रू मेंबर्स को रिहा कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। इस जहाज को पिछले हफ्ते नॉर्थ अटलांटिक में जब्त किया गया था। बाद में पता चला था कि इसमें तीन भारतीय क्रू मेंबर्स थे, जिनमें से एक हिमालच प्रदेश के रहने वाले हैं। इस जहाज का नाम मैरिनेरा था। इस टैंकर को नॉर्थ अटलांटिक के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अमेरिकी

ऑपरेशन के दौरान रोका गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है, कि यह जहाज शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जो वेनेजुएला, रूस और ईरान जैसे बैन वाले देशों के लिए तेल ट्रांसपोर्ट करने में शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस टैंकर में कुल 28 क्रू मेंबर्स थे, जिनमें तीन भारतीय नागरिकों के अलावा यूक्रेनी, रूसी और जॉर्जियाई क्रू मेंबर शामिल थे। जहाज को जब्त करने के बाद अमेरिकी सेना ने सभी क्रू मेंबर्स को हिरासत में ले लिया था। पहले कहा गया था कि सभी क्रू मेंबर्स के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा, लेकिन अब अमेरिकी अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया है। इस जहाज पर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रहने वाले 26 साल के रक्षित चौहान भी थे, जिन्हें रिहा कर दिया है।

2026 में 'कमल' से सजेगा ब्रिक्स का मंच

भारत की अध्यक्षता में समूह का और बढ़ेगा रुतबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में 2026 में ब्रिक्स का मंच कमल से सजने से जा रहा है। दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को ब्रिक्स 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की है। इस लोगो में मौजूद कमल सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। लॉन्च के बाद विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स समूह के जरिए वैश्विक कल्याण को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, खासकर ऐसे समय में जब समूह अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। बता दें कि दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स समूह की अगुवाई करती हैं। इसकी स्थापना साल

2006 में हुई थी। बीते कुछ सालों में समूह का तेजी से विस्तार हुआ जहां मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया भी पूर्ण सदस्य के रूप में ब्रिक्स में शामिल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक नए लोगो की प्रेरणा कमल से ली गई है। यह भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत और मजबूती का प्रतीक है। लोगो की पंखुड़ियों में ब्रिक्स देशों के रंग दिखाए गए हैं, जो अलग अलग आवाजों को एक साझा मकसद के साथ जोड़ने का संदेश देते हैं। वहीं लोगो के बीच में नमस्कार का चिन्ह है, जो सम्मान और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इसके साथ एक टैगलाइन भी रखी गई है,लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। जयशंकर ने इस दौरान ब्रिक्स की नई वेबसाइट भी लॉन्च की।

ब्रिक्स की मजबूती से तिलमिलाया है अमेरिका

शुरुआत के बाद से ही ब्रिक्स एक अहम वैश्विक मंच के तौर पर उभरकर सामने है। फिलहाल इसमें कुल 11 सदस्य देश शामिल हैं, जो दुनिया की करीब 49.5 प्रतिशत आबादी, लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और करीब 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं भारत की 2026 की अध्यक्षता में ब्रिक्स से वैश्विक स्तर पर सहयोग और प्रभाव और बढ़ने की उम्मीद है। समूह ने समय समय पर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को सीधी चुनौती देने की भी कोशिश की है, जिससे अमेरिका तिलमिलाया हुआ है।

घुसपैठियों की खैर नहीं, अब होगा बड़ा ऐक्शन

- एनआईए ने अवैध बांग्लादेशी मामले की जांच अपने हाथ में ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ मामले की जांच को अपने हाथ में ले लिया है, जो अब तक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के पास थी। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस से यह मामला ट्रांसफर कर लिया और जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने मामले में एक नया एफआईआर भी दर्ज किया है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है, ताकि अवैध प्रवास को ऑपरेट करने वाले नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई हो सके। ये नेटवर्क राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा

कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के दौरान 2 एफआईआर दर्ज किए थे, जिसमें इस घुसपैठ के पीछे एक गहरी साजिश होने का दावा किया गया था। दिल्ली पुलिस की जांच में कई अहम पहलुओं पर फोकस किया गया था, जैसे भारत में अवैध तरीके से प्रवेश के रूट, जाली पहचान दस्तावेज तैयार करने वाले सिंडिकेट, घुसपैठियों को ठहरने की व्यवस्था मुहैया कराने वाले लोग और उनके लिए रोजगार दिलाने वाले एजेंट। पुलिस ने इस संगठित गिरोह की पूरी संरचना को उजागर करने और विभिन्न स्तरों पर शामिल प्रमुख ऑपरेटिव्स की पहचान करने की कोशिश की थी।

एनआईए को कई पहलुओं की करनी होगी जांच- अब एनआईए के नियंत्रण में आने के बाद जांच की गुंजाइश काफी बढ़ गई है। एजेंसी अब पूरे सिंडिकेट को ट्रेस करने, मनी ट्रेल का पीछा करने, फंडिंग चैनलों की जांच करने और अंतरराज्यीय व सीमा पार लिंक्स का पता लगाने पर जोर दे रही है। यह जांच अवैध घुसपैठ के रैकेट के पीछे छिपी व्यापक साजिश को उजागर करेगी।

लेफ्ट के गढ़ में सेंध लगाने का बन गया प्लान

- अमित शाह ने संभाली कमान, बीजेपी का मिशन केरल

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। भाजपा की पहुंच से सबसे दूर रहने वाला दक्षिण भारत का केरल राज्य अब पार्टी की भावी रणनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। इस बार के विधानसभा चुनाव को पार्टी यहां पर बड़ी छलांग लगाने की कोशिश में है, जिसकी कमान खुद गृह मंत्री अमित शाह संभाले

हुए हैं। भाजपा ने यहां पर जो कभी नहीं बदला है, वह अब बदलेगा का नारा दिया है। हाल में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में राजधानी तिरुवनंतपुरम की नगर निगम व दो नगर पालिकाओं में जीत के बाद भाजपा यहां पर काफी उत्साहित है। यही वजह है कि अमित शाह ने अपने हाल के केरल दौरे में कार्यकर्ताओं में जोश को भरा और नारा दिया कि जो कभी नहीं बदला, वह अब बदलेगा।

पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप हैं ऐक्टिव

- आर्मी चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है

कहा-किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार है। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए। हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो देखने की कोशिश कर रहे थे।

आर्मी चीफ बोले-

1963 का पाक-चीन समझौता अवैध- आर्मी चीफ ने कहा कि भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के समझौते को अवैध मानता है। जिसके तहत पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी में अपना क्षेत्र चीन को सौंप दिया था। उन्होंने कहा कि हम वहां किसी भी गतिविधि को स्वीकार नहीं करते हैं। जहां तक चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का सवाल है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम इसे दोनों देशों की अवैध कार्रवाई मानते हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि तीनों सेनाओं के तालमेल को दिखाने वाला यह अभियान सीमापार आतंकवाद के लिए भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब था, जो तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाता है।

कुत्ते ने काटा तो राज्य सरकार देगी मुआवजा

- सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला ,राज्यों की ढिलाई पर लगाई लताड़

बोला-जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित हैं,वे अपने घर ले जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।

कोर्ट ने कहा, आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते।

ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते

रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। क्या हम इसपर आंखें मूंद लें। इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी।

पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें

जस्टिस मेहता ने कहा- अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। इस पर वकील ने कहा- स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी तय की जा सकती है। जस्टिस मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें। एडवोकेट गुरुस्वामी ने कहा-कुत्तों को मारना और नसबंदी करना दोनों ही कारगर नहीं हैं। जब हम किसी प्रजाति को विलुप्त करने की बात करते हैं, तो हम अपने साथ भी कुछ गलत कर रहे होते हैं। हम करुणा नहीं छोड़ रह सकते। कोई भी तर्क क्रूरता और पशुओं को मारने को जायज नहीं ठहराता।

अब 10 मिनट में नहीं मिलेगी डिलीवरी, लग गया ब्रेक

गिग वर्कर्स के लिए सरकार ने हटाई टाइम लिमिट वाली शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के गिग वर्कर्स की हड़ताल का एक बड़ा असर हुआ है। अब आमलोगों को 10 मिनट के अंदर डिलीवरी की सुविधा नहीं मिल सकेगी। सरकार ने डिलीवरी ब्यॉज की सुरक्षा को देखते हुए इस टाइम लिमिट की शर्त हटा दी है। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट जल्द ही अपने विज्ञापनों और प्रचार सामग्री से भी 10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटाने जा रही है।

ब्लिंकिट के बाद बाकी अन्य कंपनियों की ओर से भी जल्द ही इस तरह का ऐलान किया जा सकता है। केंद्रीय श्रम मंत्री ने ब्लिंकिट के अलावा जेप्टो, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बात की है और उन्हें भी डिलीवरी ब्यॉज की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। यह फैसला सरकार के हस्तक्षेप और डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद लिया गया है।

डिलीवरी ब्यॉज पर अनावश्यक दबाव और बोझ था

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बड़ी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और उनसे कहा कि वे अपने ब्रांड प्रचार में तय समय सीमा वाली डिलीवरी का उल्लेख न करें। सरकार की चिंता यह है कि बहुत कम समय में डिलीवरी का वादा डिलीवरी कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव डाल सकता है और उनकी सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। बता दें कि गिग वर्कर्स के संगठन ने इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की स्थितियों, डिलीवरी के दबाव और सोशल सिक्योरिटी की कमी जैसे मुद्दे उठाए थे। सूत्रों ने बताया कि '10 मिनट डिलीवरी' का टैग हटाने का मतलब यह नहीं है कि अब डिलीवरी देर से होगी। बल्कि कंपनियां अब अपने प्रचार में निश्चित समय का वादा करने से बचेंगी, ताकि कर्मचारियों पर असुरक्षित तरीके से काम करने का दबाव न बने। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला क्विक कॉमर्स सेक्टर में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, जहां प्रतिस्पर्धा के बावजूद अब कर्मचारी सुरक्षा और नियामक चिंताओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

अब समंदर में भी नहीं बचेंगे भारत के दुश्मन

नेवी की एआईपी से लैस पनडुब्बियां बनेंगी काल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की समुद्री सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने वाली एक ऐतिहासिक डील होने वाली है। प्रोजेक्ट 75(आई) के तहत भारतीय नौसेना को छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां मिलने जा रही हैं। इनका निर्माण जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ साझेदारी में मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में किया जाएगा। यह मेगा डील लगभग 8 बिलियन डॉलर (करीब 72,000 करोड़ रुपये) की है, जो भारतीय रक्षा इतिहास की सबसे बड़ी पनडुब्बी परियोजनाओं में से एक है। बता दें कि जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज इस वक्त भारत की यात्रा पर हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, मर्ज की इस यात्रा के दौरान अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की संभावना नहीं है, लेकिन अगले तीन महीनों में इसे पूरा किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरा कॉन्ट्रैक्ट मार्च 2026 तक साइन होने की उम्मीद

है। मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी पनडुब्बियां: इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जिसकी बदौलत ये लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराइयों में ऑपरेट कर सकेंगी। यही उन्नत तकनीक इस प्रोजेक्ट के इतने लंबे समय तक अटके रहने का मुख्य कारण रही। दरअसल, भारतीय नौसेना ऐसी पनडुब्बियां चाहती थीं जो ज्यादा स्टील्थ वाली हों, कम शोर पैदा करें और दुश्मन की नजरों से लंबे समय तक छिपी रह सकें। इतना ही नहीं, ये छह पनडुब्बियां पूरी तरह भारत में मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूत बढ़ावा मिलेगा। जर्मनी की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की निर्माण क्षमता का यह संयोजन भारतीय नौसेना को रणनीतिक बढ़त देगा। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि इन स्टील्थ पनडुब्बियों के शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री निगरानी, प्रतिरोधक क्षमता और रणनीतिक संतुलन और मजबूत होगा।

बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच यह प्रोजेक्ट भारत के रक्षा तंत्र को पहले से कहीं अधिक मजबूत साबित होगा। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, पी 75(आई) के तहत आने वाली ये नई पीढ़ी की पनडुब्बियां प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ आएंगी।

हथियार बनाते हैं खतरनाक

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी के साथ साझेदारी में बनने वाली इन पी-75(आई) पनडुब्बियों को शुरू से ही एआईपी के साथ-साथ भूमि-हमला क्रूज मिसाइलों और अन्य अगली पीढ़ी की तकनीकों को शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। एआईपी वाली पनडुब्बियां सिर्फ लंबे समय तक छिपे रहने के लिए ही नहीं जानी जातीं, बल्कि इनमें लगे हथियार इन्हें और खतरनाक बनाते हैं। मुख्य हथियार टॉरपीडो होते हैं, जो आमतौर पर 533 मिमी कैलिबर के भारी वजन वाले होते हैं। इनका इस्तेमाल दुश्मन की पनडुब्बियों और बड़े सतह युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व की बधाई और शुभकामनायें दी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को अपनी बधाई और शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि मकर संक्रांति और लोहड़ी का पर्व लोगों के लिए सुख, शान्ति और समृद्धि लायेगा। मकर संक्रांति और लोहड़ी के पर्वों का सांस्कृतिक महत्व भी है। लोग इन पर्वों को हर्षोल्लास, पारस्परिक स्नेह एवं सौहार्द्र के साथ मनायें। मकर संक्रांति के पावन स्नान के बाद लोग चूड़ा, दही, तिलकुट खाते और खिलाते हैं, इससे परस्पर प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। नये फसलों के घर आने की खुशी में लोहड़ी पर्व मनाया जाता है।

दस मिनट की डिलीवरी पर केंद्र सरकार की रोक का कैट ने किया स्वागत

पटना।कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्र सरकार द्वारा 10 मिनट की डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। कैट ने इसे व्यापारियों, उपभोक्ताओं तथा डिलीवरी कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया है। कैट लंबे समय से इस व्यवस्था को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करता रहा है। संगठन का कहना है कि अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी मॉडल से डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा, सड़क यातायात, स्थानीय खुदरा व्यापार और उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। इस विषय पर कैट द्वारा संसद में मुद्दा उठाया गया, राष्ट्रीय स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई तथा केंद्र सरकार को कई बार ज्ञापन एवं सुझाव भेजे गए। कैट के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि यह निर्णय केवल एक नीति परिवर्तन नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से लिया गया आवश्यक कदम है। इससे डिलीवरी कर्मियों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और स्थानीय व्यापारिक तंत्र को भी संरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि कैट सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का स्वागत करता है और डिजिटल कॉमर्स को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार बनाने की दिशा में आगे भी सकारात्मक सुझाव देता रहेगा। कैट ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय देश के खुदरा व्यापार, रोजगार और उपभोक्ता हितों की रक्षा में मील का पत्थर साबित होगा।

नीतीश सरकार में न्याय व्यवस्था को नई ताकत, जनता के भरोसे को नई मजबूती : जदयू

पटना।जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं परिमल कुमार ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि बिहार में न्याय व्यवस्था को और अधिक सशक्त, प्रभावी तथा भरोसेमंद बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में 300 नए प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की नियुक्ति का निर्णय न्याय की रफ्तार को तेज करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की संख्या बढ़ने से अदालतों में मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित होगी, जिससे लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। इससे न केवल पीड़ितों को समय पर न्याय मिलेगा, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में आम जनता का विश्वास भी और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार शुरू से ही कानून का राज और त्वरित न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। पुलिस, अभियोजन और न्यायालय-तीनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्यायिक व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। नए प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की नियुक्ति इसी सोच का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मजबूत अभियोजन व्यवस्था के बिना प्रभावी न्याय संभव नहीं है। इस फैसले से राज्य में अपराध नियंत्रण को भी मजबूती मिलेगी और अपराधियों को सख्त संदेश जाएगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार भविष्य में भी बिहार को न्यायप्रिय, सुरक्षित और सुशासित राज्य बनाने के लिए ऐसे ठोस कदम लगातार उठाती रहेगी।

विजय सिन्हा के दही-चूड़ा भोज में पहुंचे राज्यपाल, सम्राट व तेजप्रताप

पटना। मकर संक्रांति के मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा। इस भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, तेजप्रताप यादव सहित कई गणमान्य शामिल हुए।विजय सिन्हा से जब सवाल किया गया कि तेजप्रताप को आप एनडीए में आने का निमंत्रण देंगे। इस पर विजय सिन्हा ने कहा, वक्त पर सब पता चल जाएगा। वहीं तेजप्रताप ने भी कहा कि समय आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरा विजय सिन्हा से व्यक्तिगत संबंध है। हमने भी दही चूड़ा का भोज आयोजित किया है। इन्हें निमंत्रण दिया है। इससे पहले मंत्री जीतनराम मांझी के बेटे संतोष मांझी ने भी तेजप्रताप को एनडीए में शामिल होने का ऑफर दे दिया। उन्होंने कहा कि वो हमारे साथ आते हैं तो उनका स्वागत है। भोज में विजय सिन्हा ने अतिथियों को खुद अपने हाथों से दही-चूड़ा परोसा। इस दौरान विजय सिन्हा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को अपने हाथों से मिठाई खिलाई। भोज में मुखमंत्री नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी, विजय चौधरी, संतोष सुमन, संजय झा, मंगल पांडे, लोजपा रामविलास अध्यक्ष राजू तिवारी, संजय पासवान, संजय सिंह, मदन सहनी, भीखु भाई दलसानिया, सांसद शांभवी चौधरी, विवेक ठाकुर, विधायक राजू सिंह, राकेशओझा, समेत कई मंत्री मौजूद रहे। आज के भोज में विजय सिंह ने बीजेपी के तमाम नेताओं के साथ-साथ एनडीए के सभी घटक दल के नेताओं को भी आमंत्रण दिया था। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि वे मानते हैं कि ये हमारा बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। ये त्योहार जीवन की गतिशीलता जिसको महसूस भी ना किया जाए और परिवर्तन आ जाए उसका द्योतक है। इस मौके पर मैं सभी को बधाई देता हूं। मंत्री संतोष सुमन ने कहा, कि एनडीए के सभी घटक दल के नेता यहां उपस्थित हुए, सबने मिलकर मिठास का आनंद लिया। ये मिठास ऊर्जा के रूप में आएगा कि बिहार का विकास करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस अवसर पर मौजूद थे। मंत्री मंगल पांडे ने कहा, 'मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर आज उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हम आए थे। आज का दिन महत्वपूर्ण होता है, जब सूर्य उत्तरायण होता है। ये किसानों के लिए खास होता है। शुभ कार्य भी आज के बाद शुरू हो जाएगा। देश के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से इसे मनाया जाता है।'

राज्यपाल ने मकर संक्रांति एवं लोहड़ी पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी

पटना। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। राज्यपाल ने कहा है कि मकर संक्राति और लोहड़ी के पर्वों का सांस्कृतिक महत्व है। इससे आपसी प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। नये फसलों के घर आने की खुशी में लोहड़ी का पर्व मनाया जाता है।राज्यपाल ने कामना की है कि मकर संक्रांति एवं लोहड़ी का पर्व लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आये।

मकर संक्रांति अवधेश नारायण सिंह ने दी शुभकामनाएं

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने प्रदेशवासीयों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नए साल के शुरूआत में यह सांस्कृतिक विविधता का त्योहार देशभर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। मकर संक्रांति आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और समृद्धि लेकर आए। तिल और गुड़ की मिठास की तरह आप सभी का जीवन खुशियों से भर जाए।

नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में 43 प्रस्तावों पर लगी मुहर, कई विभागों में बड़े पैमाने पर बहाली को मंजूरी

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 43 एजेंडों पर स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिमंडल ने कृषि विभाग में 694 विभिन्न पदों पर बहाली को मंजूरी दी है। वहीं डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग में 200 पदों पर बहाली की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा 314 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई में बिहार भवन के निर्माण को भी हरी झंडी दी गई है। शिक्षा विभाग के उच्च शिक्षा निदेशालय में नौ नए पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई। बैठक में झारखंड के साथ सोन नदी के जल बंटवारे को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति दी गई। तय समझौते के अनुसार 7.75 मिलियन एकड़ फीट जल में से 5.75 मिलियन एकड़ फीट बिहार और 2 मिलियन एकड़ फीट झारखंड को मिलेगा। मंत्रिमंडल ने दरभंगा हवाई अड्डा के समीप लॉजिस्टिक पार्क एवं कार्गो हब के निर्माण के लिए 50 एकड़ भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी है। इसके लिए 138 करोड़ 82 लाख 88 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में एकमुश्त 30 करोड़ रुपये देने की स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं मुख्य न्यायाधीश के साथ संबद्ध किए जाने वाले चार विधि सहायकों के पद सृजित करने की भी मंजूरी दी गई। भागलपुर राजकीय पॉलिटेक्निक टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी संस्थान में एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत डिप्लोमा स्तर के चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें कंप्यूटर एडेड कॉस्ट्यूम डिजाइन एंड ड्रेस मेकिंग (60 सीट), फैशन एंड क्लॉथिंग टेक्नोलॉजी (60 सीट), गारमेंट टेक्नोलॉजी (60 सीट) और टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी (60 सीट) शामिल हैं। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में 106 नए पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई। राज्य के 13 कारागारों में नए सिरे से 9,073 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने को भी मंजूरी दी गई है। इस योजना पर 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये की राशि खर्च होगी। मंत्रिमंडल ने जमुई के तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी जटाशंकर पांडे को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी। वहीं पीएम श्री योजना के तहत बिहार के 779 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में 14 अरब 85 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया कि बिहार विधानमंडल के वरिष्ठ सदस्य, जो मंत्रिपरिषद के सदस्य नहीं हैं, उन्हें विधानमंडल पूल में निर्वाचन क्षेत्रवार कर्णांकित आवास के अतिरिक्त केंद्रीय पूल के 15 आवास किराये पर अतिरिक्त आवास के रूप में आवंटित किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा के मकर संक्रांति कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम नीतीश

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। 3 एम० स्ट्रैंड रोड, पटना में आयोजित मकर संक्रांति कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जी एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, विधायक श्याम रजक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस अधिकारी को कहा कानून का राज बनाए रखें

एजेंसी

» निर्दोष जेल, असली गुनाहगार बेदाग़!

फतुहा।माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी यह भुमिका से पुलिस नहीं सुधरेगी। सबसे पहले सीआउडी से करवाकर निर्दोष को जेल से बाहर करें तथा निर्दोष को जेल भेजने वाले को जेल भेजें। आधा से ज्यादा जेल खाली हो जाएगा। अदाहण काफी है? पति-पत्नी के झगड़े का बदला : गोतनी ,देवरा ,भैंसुर, 80 /90 साल के सास -ससुर तक जेल, क्या यह कानून है या अंधा प्रतिशोध? यह कैसा न्याय है कि पति पत्नी के निजी विवाद में पूरे खानदान को अपराधी बना दिया जाता है। पत्नी आत्महत्या करें या पति द्वारा हत्या हो। जांच से पहले गिरफ्तारी, सबूत से पहले जेल।,जो वर्षों से अलग रहती है देवर भैसूर जो अलग शहर में रहते हैं। नंनद जो अपने ससुराल में है और 80 /90 साल के बुजुर्ग सास- ससुर सबको एक ही तराजू में तौलकर थाने से सीधे जेल। क्या यही संविधान है? क्या यही कानून का राज है? आज भारत में कानून नहीं, आरोप सजा बन गया। पति-पत्नी के घरेलू विवादों में दर्ज होने वाले मामलों में बिना ठोस जांच, विना प्राथमिक साक्ष्य पुरे परिवार को अभियुक्त बना दिया जाना। एक खतरनाक प्रवृत्ति बन चुकी है। न तो अलग-अलग भूमिका की जांच करता है न यह देखा है कि आरोपी घटनास्थल पर था भी या नहीं ना उम्र स्वास्थ्य और निवास की वास्तविकता पर विचार किया जाता है। परिणाम निर्दोष वर्षों तक जेल में सड़ते हैं। बुजुर्ग इलाज के अभाव में मर जाते हैं और बाद में अदालत कहती ही है कि सबूत के अभाव मे बरी किया जाता है। लेकिन बर्बाद जिंदगी कौन लौटाएगा। झूठा केस दर्ज होता है, निर्दोष को जेल भेजा जाता है और बाद में बरी कर दिया जाता है। तो गलत अनुसंधान कर्ता जेल क्यों नहीं जाता है। कानून की सच्चाई । सुप्रीम कोर्ट स्वयं का चुकी है की 498 ए जैसे मामलों में गिरफ्तारी गलत है। फिर भी जमीनी हकीकत में फिर गिरफ्तारी, जेल का फार्मूला चल रहा है। जवाब देही शून्य हैं। झूठे परिवारिक मामलों में अनुसंधानकर्ता पर आपराधिक मुकदमा अनिवार्य हो? बिना ठोस सबूत के गिरफ्तारी करने वाले अनुसंधान कर्ता को निलंबन नहीं जेल जरूरी है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की गिरफ्तारी पर पूर्ण प्रतिबंध है। अलग रहने वाले रिश्तेदारों के लिए प्राथमिक की जांच रिपोर्ट अनिवार्य है। झूठे मुकदमे में फंसे निर्दोष को राज्य सरकार द्वारा मुआवजा देना चाहिए। आज भारत में कानून का डर अपराधी को नहीं, निर्दोष को है जिस दिन गलत एफआईआर लिखने वाला ,गलत गिरफ्तारी करने वाला और बिना जांच जेल भेजने वाला खुद सलाखों के पीछे जाएगा उस न कानून का दुरूपयोग होगा। न निर्दोष को जिंदगी बर्बाद होगी। न्याय की रक्षा का एक ही रास्ता है जवाब देही ! ही कठोर जवाब देही।

महामना हॉकी गोल्ड कप 2026 के शुभंकर का मंत्री श्रवण कुमार ने किया अनावरण

एजेंसी

» राजगीर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 19 से 21 जनवरी तक होगा आयोजन

पटना।महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली बालक–बालिका अंडर-16 श्रेणी की तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता महामना हॉकी गोल्ड कप 2026 के शुभंकर एवं ट्रॉफी का अनावरण मंगलवार को परिवहन विभाग कार्यालय, विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया गया। शुभंकर एवं ट्रॉफी का अनावरण ग्रामीण विकास सह परिवहन मंत्री, बिहार सरकार श्रवण कुमार, पूर्व विधायक राजेश्वर राज एवं महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई के अध्यक्ष सह आयोजन समिति के सचिव बिपिन कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के राजगीर हॉकी स्टेडियम में 19 से 21 जनवरी, 2026 तक इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बिहार अन्य क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है, उसी तरह खेल के क्षेत्र में भी राज्य आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय खेल हॉकी में बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करें, इस दिशा में महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए महामना हॉकी गोल्ड कप 2026 के आयोजन सचिव बिपिन कुमार सिंह ने बताया कि बिहार में पहली बार महामना मालवीय मिशन, बिहार इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बिहार सहित अन्य राज्यों के अंडर-16 वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के विजेता को 1 लाख, उपविजेता को 75000 तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 25000 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक लीग मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 5000 की पुरस्कार राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य बिहार के युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना एवं उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार के कार्यालय सचिव विक्की कुमार, अंजनी कुमार, उदय कुमार, दिनेश कुमार, रविन्द्र उपाध्याय, अंकित कुमार, रत रंजन कल्याण सहित कई गणमान्य अतिथि एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

31 तक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन निबंधन के लंबित मामले करें शून्य : राज्य परिवहन आयुक्त

एजेंसी

» राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ असहन ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ की विभागीय समीक्षा

पटना।राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने मंगलवार को सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय योजनाओं और सेवाओं की समीक्षा की। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल), वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी), परमिट, हिट एंड रन एवं नॉन हिट एंड रन दावों, मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल तथा बस-स्टॉप आदि की समीक्षा की गई। राज्य परिवहन आयुक्त ने कहा कि परिवहन विभाग की सेवाएं सीधे आम नागरिकों से जुड़ी हैं, इसलिए इन सेवाओं का समयबद्ध निष्पादन हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि दायित्व भी है। उन्होंने सभी जिलों को लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि 31 जनवरी 2026 तक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी लंबित मामलों को शून्य किया जाए। विशेष रूप से 6 माह और 1 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने को कहा गया। बैठक में जिलों द्वारा बताया गया कि कई वाहन पंजीकरण से संबंधित मामले डीलर या एजेंसी स्तर पर लंबित हैं। इस पर उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों का तुरंत समाधान कराया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में कंप्लायंस नहीं किया जाता है तो संबंधित डीलर/शोरूम के लॉगिन आईडी रद्द करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण वाले वाहन सड़क पर नहीं चलने चाहिए। हेलमेट-सीटबेल्ट जागरूकता अभियान के साथ-साथ प्रवर्तन तंत्र द्वारा प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि हेलमेट तथा सीटबेल्ट नहीं लगाने के मामले में राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसलिए सघन रूप से अभियान चलाकर नियम का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीटबेल्ट जीवन रक्षक है, सड़क दुर्घटना की स्थिति में गंभीर चोटों को कम करते हैं और लोगों का जीवन बचाते हैं। राज्य परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा के लिहाज तीखा मोड, ब्लाइंड स्पॉट, कर्व इत्यादि जगहों पर मिरर और साइनेजेज लगवाने की दिषा में कार्रवाई करें। सड़क दुर्घटना दुर्घटना संभावित स्थानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण हाईवे पर टी-प्वाइंट और कर्व वाले स्थानों पर दुर्घटना की संभावना अधिक रहती है। ऐसे स्थानों पर मिरर लगाने, साइनेज लगाने तथा चौराहों और डिवाइडर पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की कार्रवाई शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ब्लाइंड स्पॉट की पहचान कर उन्हें सुधारने पर जोर दिया गया।

पारंपरिक लोक कलाओं, लोकगीतों एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण विभाग की प्राथमिकता : मंत्री

एजेंसी

» विलुप्त हो रहे लोकगीतों की संरक्षण पर मंत्री ने दिया बल
» किसी भी कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने का निर्देश

पटना।कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि पारंपरिक लोक कलाओं, लोकगीतों एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि विलुप्तप्राय लोकगीतों के संरक्षण की बहुत आवश्यकता है। इस पर विशेष रुप से ध्यान दिया जाए। मंत्री श्री प्रसाद मंगलवार को बिहार संग्रहालय में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विभागीय योजनाओं की समीक्षा तथा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मार्च–अप्रैल माह में मुंबई में फिल्म निर्माता–निर्देशकों के साथ बैठक आयोजित किए जाने का निर्देश दिया, जिससे कि बिहार फिल्म नीति से संबंधित हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित किया जा सके। उन्होंने संग्रहालयों में संरक्षित कलाकृतियों के मास्टर डाटा के संधारण तथा समय-समय पर उसके सत्यापन को अनिवार्य बताया, जिससे कलाकृतियों के सुरक्षित संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने किसी भी कार्यक्रम में स्थानीय कला एवं कलाकारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव प्रणव कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक रूबी ने विभागीय सचिव का स्वागत किया तथा स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात मंत्री प्रसाद ने विभाग के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न जिलों से उपस्थित जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद कलाकार पंजीयन की जिलावार समीक्षा की गई। भागलपुर, पूर्णिया एवं गयाजी जिलों में कलाकार पंजीयन की संख्या अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर संबंधित जिलों को पंजीयन की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश दिए गए। सचिव ने स्पष्ट किया कि जिन कलाकारों के पास औपचारिक प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं हैं, वे मान्यता प्राप्त कलाकारों के सत्यापन के आधार पर पंजीयन अथवा सत्यापन करा सकते हैं। सचिव श्री प्रणव कुमार ने जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों को अटल कला भवन एवं प्रेक्षागृहों के निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं स्वीकृत योजना के अनुरूप पूर्ण किया जाना चाहिए। रोहतास, गोपालगंज एवं वैशाली जिलों में, जहां अटल कला भवन हेतु भूमि उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है, वहां शीघ्र भूमि चिन्हित कर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। कलाकार पेंशन योजना के संदर्भ में सचिव ने निर्देश दिया कि आयु निर्धारण से संबंधित समस्याओं का समाधान करते हुए पात्र कलाकारों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि पेंशन प्रक्रिया निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने पुरातत्व संरक्षण एवं विकास से संबंधित प्रस्तावों की उपलब्धता, मासिक क्षेत्र भ्रमण के उपरांत नियमित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा जिलों में निर्मित संग्रहालय हॉल के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सामाजिक सरोकार से जुड़ी फिल्मों के साप्ताहिक प्रदर्शन की संभावनाओं पर भी विचार किए जाने की बात कही गई। यह समीक्षा बैठक सह कार्यशाला विभागीय योजनाओं की प्रभावी क्रियान्विति, स्थानीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण तथा कलाकारों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में मानी जा रही है। गौरतलब है कि बैठक के दौरान मंत्री जी ने विभाग के कैलेंडर का लोकार्पण किया, वहीं विभाग के सचिव ने मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद को कलेंडर पर मौजूद छायाचित्रों के बारें में जानकारी दी तथा कैलेंडर की एक प्रति भेंट किया। बैठक में संग्रहालय निदेशालय के निदेशक कृष्ण कुमार तथा विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक रूबी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

पशु तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार, पिकअप सहित गाय व दो बछड़े बरामद

बीएनएम @ अरेराज। मलाही थाना क्षेत्र में पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने एक पिकअप वाहन पर लदे एक गाय और दो बछड़ों को सुरक्षित बरामद किया, जबकि तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन (संख्या BR-05-GC-1367) को जब्त कर लिया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना अंतर्गत नवानगर गांव निवासी भूषण पासवान के 18 वर्षीय पुत्र मंदीप कुमार, गोविंदगंज थाना क्षेत्र के खटइया टोला निवासी जटाशंकर पासवान के 18 वर्षीय पुत्र ऋतुराज कुमार, गोविंदगंज थाना के नवादा गोला गांव निवासी 45 वर्षीय सुखदेव यादव तथा मलाही थाना क्षेत्र के चिंतामनपुर गांव निवासी 40 वर्षीय रामसुंदर यादव के रूप में की गई है। इस संबंध में मलाही थानाध्यक्ष सुमन भारती ने बताया कि पशुओं की अवैध तस्करी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम का गठन कर त्वरित छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान चारों तस्करों को मौके से धर-दबोचा गया तथा पशुओं को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। जब्त पिकअप वाहन को थाना लाकर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम एवं संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई से पशु तस्करी में संलिप्त गिरोहों के बीच हड़कंप मच गया है और पुलिस क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए हुए है।

हरसिद्धि पुलिस ने पोक्सो एक्ट का नामजद आरोपी को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कृतपुर पंचायत अंतर्गत इंग्लिश गांव में हरसिद्धि पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पोक्सो एक्ट के एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नंदन राय, पिता तुलसी राय, निवासी ग्राम इंग्लिश के रूप में की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि आरोपी हरसिद्धि थाना कांड संख्या 506/24 में नामजद था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। उन्होंने बताया कि आरोपी की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने के बाद उसका सत्यापन किया गया और तत्पश्चात एक विशेष टीम का गठन कर इंग्लिश गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद थाना लाकर उससे आवश्यक पूछताछ की गई। पूछताछ के उपरांत मंगलवार को आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है तथा पीड़िता को हर संभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस छापेमारी अभियान में महिला दरोगा संतोषी कुमारी, दरोगा राजेश कुमार, दरोगा अविनाश कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पोक्सो जैसे गंभीर मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

देसी चुलाई शराब के धंधे में महिला गिरफ्तार, शराब व उपकरण जब्त

शराब मामले के एक नामजद महिला अभियुक्त भी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देसी चुलाई शराब बनाते हुए एक महिला को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान प्राणी देवी, पति उमेश सहनी, निवासी कठैया, थाना हरसिद्धि के रूप में की गई है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान मौके से 5 लीटर देशी चुलाई शराब, एक गैस सिलेंडर, एक चूल्हा तथा शराब बनाने में प्रयुक्त दो बर्तन जब्त कर सीज कर दिया है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। इधर, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 52/24, दिनांक 04/02/24, धारा 272, 273 भादवि एवं 30(ए) बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत एक अन्य मामले में नामजद अभियुक्त अमृता कुमारी, पति नगीना सहनी, निवासी धनखरैया, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है।

पिकअप से 927.720 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ गोपालगंज। कुचायकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एनएच-27 स्थित भठवां मोड़ के समीप वाहन जांच के दौरान एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, पिकअप से कुल 927.720 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। मौके से पिकअप चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहराब आलम, पिता—हसमुद्दीन मियां, निवासी—बालापुर, थाना—बड़हरिया, जिला—सिवान तथा निसारूल हक, पिता—इनायत हुसैन, निवासी—मिरलीपुर, थाना—थावे, जिला—गोपालगंज के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब से लदे पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

हरसिद्धि थाने पर पीड़िता के आरोप निराधार, प्राथमिकी दर्ज, एक गिरफ्तार: थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार

सागर सूरज

पीड़िता के सभी आरोप निराधार है, प्राथमिकी में कोई अनियमितता नही हुई है।
ऋषभ कुमार
प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष, हरसिद्धि

मोतिहारी | हरसिद्धि थाना क्षेत्र के एक हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. नीरज कुमार पर शादी का झांसा देकर पांच वर्षों तक शारीरिक-मानसिक शोषण और दहेज की मांग का गंभीर आरोप लगा है।

पीड़िता ने हरसिद्धि पुलिस के दरोगा राजेश कुमार और अपर थानाध्यक्ष संतोषी क़ो भी अपने गंभीर आरोपों से कटघरे में खड़ा किया है. संतोषी पर पीड़िता क़ो धमकाने एवं राजेश पर सादे कागज पर हस्ताक्षर कर प्राथमिकी में कुछ तथ्यों क़ो छुपा लेने क़ा आरोप लगा है।

आवेदन पर हरसिद्धि थाने में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। एफआईआर के बाद डॉ. नीरज हॉस्पिटल छोड़ कर फरार हो गए हैं।

इस मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि पांच वर्ष पूर्व उसकी बहन की सर्जरी डॉ नीरज के हॉस्पिटल, हरसिद्धि में हुई थी। इसी दौरान डॉ. नीरज कुमार का संपर्क हुआ, जिन्होंने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। मूल रूप से दूधही निवासी डॉ. नीरज ने पीड़िता को नेपाल, रामनगर समेत कई जगहों पर रखा। आठ माह पूर्व हॉस्पिटल में ही शादी रचा ली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है, लेकिन नेपाल से लाकर छपवा लाकर छोड़ दिया।

जब पीड़िता घर ले जाने की बात की तो डॉ. नीरज, उनके पिता मुख्तार साहनी, भाई अरविंद कुमार, बहन आरती कुमारी और मां ने 10 लाख रुपये नकद व एक वाहन दहेज की मांग की। मांग न मानने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि डॉ. नीरज दूसरी शादी की तैयारी कर रहे हैं।

मामले ने तूल पकड़ लिया है, लेकिन थाने के प्रभारी आरक्षी उपाधीक्षक प्रशिक्षु ऋषभ कुमार ने बीएनएम से बातचीत में सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "आरोप पूरी तरह निराधार हैं। सादे कागज पर किसी से हस्ताक्षर नहीं लिए गए। प्राथमिकी पारदर्शी तरीके से दर्ज हुई है।" पीड़िता ने अपर थानाध्यक्ष संतोषी और दरोगा राजेश कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे कि उन्होंने सादे कागज पर हस्ताक्षर कर स्वयं एफआईआर लिखी और मामले में बार-बार धमकी दी। हालांकि प्रशिक्षु डीएसपी सह एसएचओ ऋषभ कुमार ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई अनियमितता नहीं हुई।

पुलिस ने मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है, बाकी की तलाश तेज है। हरसिद्धि थाना पुलिस छापेमारी कर रही है।

डॉ. नीरज का हॉस्पिटल में ताला लगा पड़ा है। एसएचओ ने भरोसा दिलाया कि दोषियों को जल्द सलाखों के पीछे डाला जाएगा। पीड़िता को न्याय मिलेगा।

यह मामला हरसिद्धि क्षेत्र में सनसनी फैला रहा है। स्थानीय लोग पुलिस की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

जांच में नया मोड़ आ सकता है। अपर थानाध्यक्ष संतोषी पर आम लोगों के साथ भी बुरे बर्ताव के आरोप लगे, लेकिन नये प्रभारी के कार्यक्लाप क़ी प्रशंसा हुईं।

घोड़े से शराब का अनोखे खेल को पुलिस ने किया फेल, शराब के साथ घोड़ा और तस्कर गिरफ्तार।

» नौतन थाना का यह रिकॉर्ड रहा है की, तस्कर डाल-डाल तो पुलिस पात पात की कारनामा आजमाइश कर तस्करों का धर दबोचने में कामयाबी हासिल की है।

बीएनएम @ पश्चिम चम्पारण

नौतन थाना के पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक अनोखा शराब तस्करी के पर्दाफाश किया है। पुलिस से बचने हेतु दियरा क्षेत्र से एक अनोखे तरीके के अजमाईस कर, घोड़े से शराब की तस्करी की जा रही थी, लेकिन पुलिस ने तस्करों के मंसूबे पर पानी फेर दिया, शराब कारोबारी डाल डाल तो पुलिस पात पात की रवैया अपनाया और गुप्त सूचना के आधार पर मकरी टोला से 158 पीस विदेशी शराब के साथ घोड़ा एवं तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार घोड़े और तस्कर की पहचान नौतन थाना क्षेत्र के तेलुहा गांव निवासी रंग लाल यादव के रूप में की गई है। वही थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की खेप घोड़े से लाद कर ले जाया जा रहा है, सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी की, जहा से शराब से लदा घोड़ा और तस्कर को मौके से हिरासत में ले लिया गया। वही इस कार्रवाई से इलाके में शराब तस्करों के बीच हड़प्पा मच गया है, पुलिस ने साफ संकेत दिया है कि अवैध शराब तस्कर एवं शराब माफिया किसी भी हाल में बच नहीं पाएंगे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद, महाविद्यालयीन छात्र कार्य इकाई, मोतिहारी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय "वैश्वीकरण के युग में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता" रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। उन्होंने आभासी माध्यम से संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रशून दत्त सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा स्वामी विवेकानंद की संघर्षपूर्ण जीवन-यात्रा और भारत की छवि को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक चिंतक एवं प्रांत प्रचारक श्रीमान रविशंकर जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्वामी विवेकानंद के विचारों की समकालीन समाज और युवाओं के लिए प्रासंगिकता को गहराई से रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रो. शिरीष मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों की महानता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. अनुपम कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, समाज कार्य विभाग रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संघर्ष की धरती से उभरी सितारा बेटी: अरेराज की हानिया हुमैरा ने बिहार महिला अंडर-15 क्रिकेट टीम में बनाई जगह

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज की माटी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की नहीं, संकल्प की मोहताज होती है। संघर्षों की तपिश में तपकर सफलता के शिखर तक पहुँची अरेराज वार्ड संख्या-01 निवासी हामिद हसन उर्फ शेरू की सुपुत्री हानिया हुमैरा ने बिहार महिला क्रिकेट टीम (अंडर-15) में चयनित होकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे चंपारण का मान-सम्मान ऊँचा किया है। यह उपलब्धि किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक विजय के रूप में देखी जा रही है। इस ऐतिहासिक सफलता को उत्सव का रूप देते हुए अरेराज में एक भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ समाज के हर वर्ग ने अपनी लाड़ली को सम्मान और स्नेह से नवाजा। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि हानिया ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और निष्ठा के सामने कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि "हानिया की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्तंभ बनेगी।" समारोह में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ई० शशीभूषण राय, नगर पंचायत अध्यक्ष अमितेष कुमार पाण्डेय उर्फ रंटू पाण्डेय और पूर्व नगर अध्यक्ष मंटू दूबे ने संयुक्त रूप से कहा कि एक छोटे कस्बे से निकलकर राज्य स्तर पर पहचान बनाना नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। नगर उपाध्यक्ष आज़ाद अली, जिला पार्षद पप्पू रंजन मिश्र तथा वार्ड पार्षद श्रवण दास, हरिनंदन राम और रवि रंजन पाण्डेय ने हानिया को क्षेत्र का अनमोल रत्न बताते हुए उसके साहस और समर्पण को नमन किया। पूर्व पार्षद बंगाली राम, पूर्व क्रिकेटर संजय गिरि और नफ़ीस अख़्तर ने खेल की तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए हानिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समिति सदस्य पति चन्द्रिका महतो, प्रमोद राम सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने शॉल ओढ़ाकर एवं शुभकामनाएँ देकर खिलाड़ी का मनोबल बढ़ाया। अकादमी के सचिव शाहिद हसन उर्फ गुड्डू ने भावुक शब्दों में बताया कि सीमित संसाधनों के बीच मात्र दो वर्षों में शून्य से शिखर तक पहुँचना इस अकादमी की कड़ी मेहनत और हानिया के निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने अकादमी की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन अकादमी के सह-सचिव विजय अमित ने किया। समारोह में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में कामना की कि हानिया का यह सफर यहीं न रुके, बल्कि उसका बल्ला पहले राज्य, फिर देश और अंततः अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अरेराज का नाम रोशन करे।

गन्ना किसानों की समस्या को लेकर सुगौली विधायक बबलू गुप्ता ने किया चीनी मिल का दौरा

बीएनएम @ मोतिहारी

गन्ना किसानों की गंभीर समस्या को देखते हुए सुगौली विधायक बबलू गुप्ता ने सुगौली चीनी मिल का दौरा किया। मिल के बॉयलर में आई तकनीकी खराबी के कारण पिछले छह दिनों से क्रशिंग कार्य बाधित है, जिससे किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। मिल में आपूर्ति के लिए काटा गया गन्ना खेतों में ही सूख रहा है। दौरे के दौरान विधायक बबलू गुप्ता ने चीनी मिल के महाप्रबंधक (जीएम) से बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। जीएम ने बताया कि तकनीकी खराबी को दूर करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है और अगले 24 घंटे के भीतर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खराबी दूर होते ही मिल सुचारू रूप से क्रशिंग कार्य शुरू कर देगी और किसानों को नियमित सेवाएं मिलेंगी। विधायक बबलू गुप्ता ने कहा कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और मिल प्रबंधन को शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक की इस पहल की हरसिद्धि प्रखंड के अहिरगवा गांव के किसान राहुल कुमार तिवारी ने सराहना की है।

पैक्स परिसर में किसानों के लिए सहकारी योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

यादवपुर पंचायत स्थित पैक्स परिसर में सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को विभिन्न सरकारी सहकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अश्वनी कुमार एवं पैक्स अध्यक्ष मेकेश्वर सिंह ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को पैक्स सदस्यता से जुड़ने के लाभ, बिहार राज्य फसल सहायता योजना, मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से मिलने वाली सेवाएं, सहकारी बैंक में खाता खोलने की प्रक्रिया, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र तथा प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समिति से जुड़ने के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करना, आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करना है। इस दौरान पैक्स के कम्प्यूटरीकरण, सीएससी के सुचारु संचालन और प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों में किसानों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। पैक्स सचिव बबलू कुमार की मौजूदगी में किसानों को बिहार राज्य फसल सहायता योजना, मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना सहित अन्य सहकारी योजनाओं के आवेदन एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और योजनाओं को लेकर उत्साह दिखाया।

सिसवा पूर्वी पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण को गणतंत्र दिवस 2026 पर लाल किला जाने का विशेष आमंत्रण

» जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने दी शुभकामनाएं

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के बंजरिया प्रखंड अंतर्गत सिसवा पूर्वी पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण को पंचायत के विकास में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के अवसर पर नई दिल्ली स्थित लाल किला में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ है। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के अधीन बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्थान (बीएसपीआरआई) के परियोजना निदेशक नवीन कुमार सिंह द्वारा इस संबंध में जिला पंचायत राज पदाधिकारी को पत्र भेजकर जानकारी दी गई है। मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अपने कार्यालय कक्ष में मुखिया तान्या प्रवीण को आमंत्रण पत्र सौंपते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व की बात है और इससे अन्य पंचायत प्रतिनिधियों को भी प्रेरणा मिलेगी। मुखिया तान्या प्रवीण का चयन पंचायत स्तर पर विकास, सुशासन और जनहित में किए गए प्रभावी कार्यों के आधार पर किया गया है।

सहस्त्रलिंगम शिवलिंग ने रचा आस्था का इतिहास, चम्पारण में उमड़ा भक्तों का महासैलाब

» चकिया, केसरिया, रामपुर खजुरिया, साहेबगंज में भारी भीड़ के कारण लग रहा जाम

बीएनएम@डुमरियाघाट@अमित कुमार सिंह

सहस्त्रलिंगम शिवलिंग आस्था, संस्कृति और अध्यात्म का अद्भुत संगम बनकर चंपारण की धरती पर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। शास्त्रों में वर्णित मान्यता के अनुसार, सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के दर्शन एवं पूजन से हजार गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि तमिलनाडु से चंपारण पहुंचे इस दिव्य शिवलिंग के दर्शन के लिए प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

कैथवलिया जानकी नगर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ , केसरिया-चकिया रोड बना जाम का केंद्र : जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत केसरिया–चकिया रोड स्थित कैथवलिया जानकी नगर में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर में सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के दर्शन को लेकर जनसैलाब उमड़ पड़ा है। रामपुर खजुरिया से चकिया, साहेबगंज से चकिया, चकिया से केसरिया समेत सभी प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है। जिले के कोने-कोने के अलावा मुजफ्फरपुर, गोपालगंज,

सिवान, छपरा, पश्चिमी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी जैसे पड़ोसी जिलों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

गाड़ी पर विराजमान है सहस्त्रलिंगम शिवलिंग,

दो लेयर बैरिकेटिंग भी आस्था के आगे बेअसर : प्रशासन द्वारा सहस्त्रलिंगम शिवलिंग को अभी उसी विशेष गाड़ी पर विराजमान रखा गया है, जिस पर वह तमिलनाडु से चंपारण पहुंचा है। सुरक्षा की दृष्टि से गाड़ी के चारों ओर दो लेयर में बांस की बैरिकेटिंग की गई है, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था इस व्यवस्था पर भारी पड़ती दिख रही है। कई महिला और पुरुष श्रद्धालु बैरिकेटिंग फांदकर अपने आराध्य भगवान भोलेनाथ के दर्शन, पूजन और जलार्पण के लिए पहुंच जा रहे हैं। जलार्पण के बाद फूल, बेलपत्र और प्रसाद भी चढ़ाया जा रहा है।

दस किलोमीटर तक दिख रही भीड़ और वाहनों की कतार, घंटों फंसे रह रहे यात्री : कैथवलिया स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर के करीब दस किलोमीटर के दायरे में श्रद्धालुओं और वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जाम के कारण केसरिया–चकिया होकर गुजरने वाले यात्रियों को घंटों का समय लग जा रहा है। मंदिर परिसर और आसपास मेले जैसा माहौल है। स्थानीय लोगों द्वारा शुल्क लेकर वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। जाम का असर रामपुर खजुरिया, केसरिया, चकिया, साहेबगंज और कल्याणपुर तक साफ तौर पर देखने को मिल रहा है।

प्रशासन सतर्क, भारी पुलिस बल तैनात : सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चकिया अनुमंडल के एसडीएम, डीएसपी, डीसीएलआर समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर तैनात हैं। प्रशासन लगातार भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने के प्रयास में जुटा है।

क्या है सहस्त्रलिंगम शिवलिंग : **एक शिव में समाहित हजारों शिव**-सनातन धर्म में भगवान शिव की उपासना का विशेष महत्व है और शिवलिंग उनकी निराकार सत्ता का प्रतीक माना जाता है। सहस्त्र का अर्थ होता है हजार, अर्थात एक ही शिवलिंग पर हजारों छोटे-छोटे शिवलिंगों का अंकन या निर्माण। यह स्वरूप ब्रह्मांड में व्याप्त शिवतत्त्व को दर्शाता है, जहां एक ही शिव में असंख्य रूप समाहित हैं। शास्त्रों के अनुसार, सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के दर्शन एवं पूजन से सहस्त्र गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

पौराणिक मान्यता :

कष्ट निवारण और मनोकामना पूर्ति का प्रतीक-पौराणिक कथाओं के अनुसार, सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का संबंध शिवभक्तों की कठोर तपस्या और अटूट श्रद्धा से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान शिव ने अपने भक्तों को यह वरदान दिया था कि जो व्यक्ति श्रद्धा से सहस्त्रलिंगम का अभिषेक और पूजन करता है, उसके जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पूजा-विधान और धार्मिक महत्व : सहस्त्रलिंगम शिवलिंग का अभिषेक दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से किया जाता है। इसके साथ बेलपत्र, धतूरा, भांग और पुष्प अर्पित किए जाते हैं। शिवपुराण के अनुसार, सहस्त्र नामों से भगवान शिव का जप करते हुए सहस्त्रलिंगम का पूजन करने से मानसिक शांति, रोग मुक्ति और पारिवारिक सुख की प्राप्ति होती है।

श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बढ़ी, दर्शन मात्र से मिलती है अद्भुत शांती : श्रद्धालुओं का कहना है कि सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के दर्शन करते ही मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है और शिव कृपा का अहसास होता है। यही कारण है कि लगातार भीड़ बढ़ती जा रही है।

संस्कृति और पर्यटन को भी मिल रहा बढ़ावा, सहस्त्रलिंगम शिवलिंग न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनकर उभरा है, बल्कि यह स्थानीय संस्कृति और धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा दे रहा है। इसके संरक्षण और प्रचार-प्रसार से क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं बन रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भी आर्थिक लाभ मिल रहा है।

निष्कर्षतः, सहस्त्रलिंगम शिवलिंग सनातन परंपरा में भगवान शिव की व्यापकता, करुणा और सर्वव्यापकता का जीवंत प्रतीक बनकर चंपारण की धरती पर आस्था का महापर्व रच रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विवाहिता की संदिग्ध मौत, अधजली लाश बरामद

बीएनएम @ योगापट्टी : योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर थाना क्षेत्र स्थित सेमरी मन वार्ड में सोमवार को दहेज प्रताड़ना के कारण एक विवाहिता की हत्या कर शव जलाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतका की पहचान रुन्ना देवी के रूप में हुई है, जिसकी शादी पांच वर्ष पूर्व नीतीश मुखिया से हुई थी। मृतका के पिता इनर देव मुखिया ने आरोप लगाया कि उनकी चार माह की गर्भवती बेटी को दहेज के लिए लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। घटना के दिन सुबह फोन पर हुई बातचीत में रुन्ना ने प्रताड़ना की शिकायत की थी, जिसके कुछ ही देर बाद ससुराल पक्ष के सभी मोबाइल बंद हो गए। अनहोनी की आशंका में जब पिता ससुराल पहुंचे, तो वहां घर से कुछ दूरी पर शव को जलाया जा रहा था। परिजनों ने किसी तरह आग बुझाकर शव के कुछ अवशेषों को बचाया। सूचना मिलते ही नवलपुर पुलिस और 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार के अनुसार, फॉरेंसिक जांच और परिजनों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी|

158 पीस शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, घोड़ा जब्त

बीएनएम @ बेतिया : नौतन थाना पुलिस ने सोमवार रात छापेमारी कर घोड़े के जरिए की जा रही विदेशी शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर मकड़ी टोला बडरिया इलाके से पुलिस ने 158 पीस विदेशी शराब के साथ एक तस्कर और एक घोड़ा जब्त किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान तेलवा निवासी रंग लाल यादव के रूप में हुई है, जो दुर्गम दियारा क्षेत्र का लाभ उठाकर तस्करी कर रहा था। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी घोषित

बीएनएम @ बगहा : ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देशानुसार कुशीनगर जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। नई टीम में शैलेश कुमार उपाध्याय को जिलाध्यक्ष, जबकि सुरेंद्र राय, पारस नाथ पांडेय और मुकेश नाथ तिवारी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महामंत्री की जिम्मेदारी अमरनाथ पांडेय और अशोक कुमार को दी गई है। कार्यकारिणी में सचिव, संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष और विभिन्न समितियों के अध्यक्षों सहित कुल 46 सदस्यों को शामिल किया गया है। जिलाध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत करने और पत्रकार हितों एवं सम्मान की रक्षा के लिए तत्पर रहने की अपील की है।

एक हजार लीटर अवैध शराब नष्ट

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अंकित कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने धांगड़ टोली मझौवा गांव में छापेमारी कर लगभग एक हजार लीटर अर्धनिर्मित देशी शराब (पास) को नष्ट किया और 6 लीटर तैयार शराब बरामद की। हालांकि, तस्कर पुलिस की भनक पाकर मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने अज्ञात धंधेबाजों के खिलाफ बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। डीएसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे शराब तस्करी की सूचना पुलिस को दें, ताकि अपराधियों पर नकेल कसी जा सके।

सोमनाथ अखंड आस्था और आत्मसम्मान की गाथा

बीएनएम @ बगहा : सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर आयोजित शौर्य यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहभागिता भारत की सनातन चेतना और सांस्कृतिक स्वाभिमान का विराट प्रतीक है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत की अखंड आस्था और उस जीवटता का परिचायक है, जिसने हर विध्वंस के बाद पुनर्जीवित होकर राष्ट्र को गौरवान्वित किया। प्रधानमंत्री द्वारा शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का उद्घोष है। इसी आध्यात्मिक दृष्टि से प्रेरित होकर बाबू धाम ट्रस्ट ने "नर सेवा ही नारायण सेवा" के मंत्र को आत्मसात किया है। चंपारण की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट द्वारा निजी खर्च पर जरूरतमंदों को माता वैष्णो देवी और मक्का-मदीना जैसे पवित्र स्थलों की यात्रा कराई जा रही है, ताकि समाज में आध्यात्मिक समरसता मजबूत हो। सोमनाथ का शौर्य और चंपारण की सेवा भावना मिलकर उस सशक्त भारत की तस्वीर पेश करते हैं, जो मोदी जी के नेतृत्व में विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।

डुमरियाघाट में पुलिस ने देसी चुलाई शराब समेत गोपालगंज के तीन व्यक्तियों को हिरासत में लिया, बाइक जब्त

बीएनएम @ डुमरियाघाट

जिले के डुमरियाघाट थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए नेशनल हाइवे-27 पर नरसिंह बाबा मंदिर के समीप सोमवार की देर संध्या तीन शराब कारोबारियों को बाइक समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद कीया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच-27 के रास्ते अवैध शराब की ढुलाई की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर एक बाइक पर सवार तीन युवकों को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में देसी चुलाई शराब बरामद होने पर तीनों को हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्री राय पिता भागवत राय, ग्राम महारानी, मंजय कुमार, पिता बंगाली राय, ग्राम फतेहपुर एवं विजय कुमार, पिता बसूली

राय, ग्राम फतेहपुर के रूप में की गई है। तीनों कारोबारी गोपालगंज जिले के मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए है। पुलिस ने शराब ढुलाई में प्रयुक्त काले रंग की हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या BR32X-7883) को भी जब्त कर लिया है। इस संबंध में बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 10/26 दर्ज कर तीनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और आगे भी ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

नेत्रहीन कवि अकबर ताज की पंक्तियों ने सबको रुलाया

» आरकेड बिजनेस कॉलेज में गूंजी कविता की धार

प्रातः आवाज

पटना। राजेंद्र नगर स्थित आरकेड बिजनेस कॉलेज में आयोजित 'काव्य गंगा' कार्यक्रम साहित्य, संवेदना और संस्कारों का एक अनूठा संगम बना। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब खंडवा (मप्र) से आए नेत्रहीन कवि अकबर ताज ने अपनी पंक्तियों, "मुझे अंधा बनाया है तो इसका गम नहीं मुझको, मेरी संतान को भगवान मगर श्रवण बना देना" के जरिए सभागार में मौजूद छात्र-छात्राओं को भावुक कर दिया। उनकी रचनाओं ने न केवल व्यक्तिगत पीड़ा बल्कि राष्ट्रप्रेम और अगली पीढ़ी के मूल्यों को भी रेखांकित किया।मंच पर नारी सशक्तिकरण की गूंज उत्तर प्रदेश की कवयित्री प्रीति पांडे की रचनाओं में सुनाई दी, जिन्होंने समाज को

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने का संदेश दिया। वहीं, आगरा के हास्य कवि एलेश अवस्थी ने अपने व्यंग्य से श्रोताओं को ठहाकों पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पटना साहिब के विधायक रत्नेश कुशवाहा ने युवाओं से किताबों से जुड़ने की अपील की, जबकि कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता ने सांस्कृतिक चेतना और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।अंत में कॉलेज के निदेशक आशीष आदर्श ने सभी कवियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को जीवन की गहराई समझने में मदद करते हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को हंसाने, रुलाने और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को सोचने पर मजबूर करने वाला एक सफल प्रयास रहा।

निगरानी ब्यूरो की बड़ी सफलता: गोपालगंज के राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह 6 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

बीएनएम @ गोपालगंज

भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को मजबूती मिली है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस) की मुख्यालय टीम ने आज गोपालगंज जिले के बरौली अंचल कार्यालय के राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह को 6,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई निगरानी थाना कांड संख्या-07/26 (दिनांक 12.01.2026) के तहत की गई, जो भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।परिवादी शैलेन्द्र साह, पुत्र स्वर्गीय रामाश्रय प्रसाद, निवासी बघेजी, थाना बरौली, जिला गोपालगंज ने निगरानी ब्यूरो के पटना कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी विजय कुमार सिंह जमीन के दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के काम के एवज में 6,000 रुपये

की रिश्वत मांग रहे थे। ब्यूरो ने शिकायत का गहन सत्यापन कराया, जिसमें आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग के पुख्ता प्रमाण मिले। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर पुलिस उपाधीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामार दस्ते का गठन किया गया।आज दोपहर धावादल ने अंचल कार्यालय पहुंचकर आरोपी को उनके ही कार्यालय कक्ष में 6,000 रुपये रिश्वत के लेन-देन के दौरान धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही उसे माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। अग्रतर अनुसंधान जारी है, जिसमें अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच होगी।यह घटना बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी ब्यूरो की सतत सजगता का प्रतीक है। वर्ष 2026 में ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध सातवीं प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें यह ट्रैप से संबंधित छठा मामला है। इन छापों में अब तक कुल 5 अभियुक्तों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है और रिश्वत की बरामद राशि 73,000 रुपये पहुंच चुकी है। इससे आम नागरिकों में भ्रष्टाचारियों के प्रति भय का संदेश गया है।निगरानी महानिदेशक ने इस सफलता पर टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के किसी भी रूप को बख्शा नहीं जाएगा। सरकारी सेवकों को चेतावनी देते हुए डीजी ने अपील की कि पारदर्शिता और ईमानदारी से काम करें। गोपालगंज जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व कार्यों में भ्रष्टाचार आम शिकायत रहा है, इसलिए ऐसी कार्रवाइयां स्थानीय स्तर पर सुशासन को मजबूत करेंगी। नागरिकों से अपील है कि वे रिश्वतखोरी की शिकायत निगरानी ब्यूरो के टोल-फ्री नंबर 1800-345-6616 पर दर्ज कराएं।

अनंत सिंह की जमानत याचिका पर इसी सप्ताह पटना हाईकोर्ट में सुनवाई संभव

प्रातः आवाज

पटना। जेडीयू विधायक अनंत सिंह एक बार फिर बिहार की राजनीति और कानूनी गलियारों में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पटना के टाल क्षेत्र में चुनावी हिंसा के दौरान दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में गिरफ्तार अनंत सिंह की जमानत याचिका पर इसी सप्ताह पटना हाईकोर्ट में सुनवाई की संभावना है। सिविल कोर्ट से राहत न मिलने के बाद उन्होंने न्यायमूर्ति अशोक कुमार पांडेय की अदालत का रुख किया है। उनके अधिवक्ता कुमार हर्षवर्धन के अनुसार, सुनवाई के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। इस बार उनकी कानूनी टीम बेहद सतर्कता बरत रही है और रणनीतिक चुप्पी साधे हुए है।दिलचस्प बात यह है कि विधानसभा चुनाव जीतने के बावजूद अनंत सिंह ने अब तक विधायक पद की शपथ नहीं ली है। सूत्रों का मानना है कि वे नियमित जमानत मिलने के बाद ही पूरी वैधानिक स्थिति के साथ विधानसभा पहुंचकर शपथ ग्रहण करना चाहते हैं। जहां पुलिस और अभियोजन पक्ष घटना स्थल पर उनकी मौजूदगी का दावा कर रहे हैं, वहीं बचाव पक्ष इसे विरोधियों की राजनीतिक साजिश बता रहा है। अब सबकी निगाहें हाईकोर्ट के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि इसी से अनंत सिंह की जेल से रिहाई और उनकी विधायकी पारी की शुरुआत का रास्ता तय होगा।

दरापचक क्रिकेट क्लब की टीम ने संत जोसेफ को हराया

बीएनएम @ गोपालगंज

सर्वोदय क्रीड़ा परिषद तरवां द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे और अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच में मंगलवार को दरापचक क्रिकेट क्लब की टीम ने संत जोसेफ मॉडर्न स्कूल क्रिकेट क्लब तरवां की टीम को 66 रनों से हरा कर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली। दरापचक टीम के कप्तान ने

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाकर 230 रनों का लक्ष्य दिया | जिसके जवाब में खेलते हुए संत जोसेफ मॉडर्न स्कूल की टीम ने 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 163 रन ही बना सकी। इस प्रकार दरापचक की टीम ने 66 रनों से मुकाबले को जीत लिया और सेमी फाइनल में अपनी जगह बना ली|सर्वोदय क्रीड़ा परिषद तरवां के अध्यक्ष रामाशंकर यादव उर्फ हप्पू यादव के द्वारा विजेता टीम के पंकज यादव को मैन ऑफ द मैच की ट्राफी दिया गया| इस मौके टूर्नामेंट के एम्पायर संदीप कुमार स्कोरर आदित्य कुमार ,कॉमेंटेटर निरंजन कुमार सहित टूर्नामेंट के आयोजक सदस्य अजीत कुमार, विजय भारती, नीतीश ठाकुर, मनोहर गुप्ता, हीरा दास ,शंकर वर्णवाल व सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे।

जमानत का पैमाना

खालिद और इमाम पांच साल से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के सिलसिले में गिरफ्तार नौजवानों की जमानत अर्जी पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक पैमाना कायम किया है। कोर्ट ने 'घटना में भागीदारी के श्रेणी क्रमÓ के आधार पर तय किया कि पांच अभियुक्तों को जमानत दे दी जाए, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमान को यह लाभ नहीं मिल सकता। साथ ही कोर्ट ने नागरिक अधिकारों के लिहाज से यह चिंताजनक व्यवस्था दी कि अवैध गतिविधि निरोधक कानून (यूएपीए) से जुड़े मामले की सुनवाई में देर जमानत का आधार नहीं बन सकती। बेहतर होता कि कोर्ट इस पर भी कोई टिप्पणी करता कि यह देर आखिर किस हद तक स्वीकार्य हो सकती है? खालिद और इमाम पांच साल से अधिक समय से जेल में हैं, जबकि निचली अदालत में मुकदमे की जिरह तक अभी शुरू नहीं हुई है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी नहीं है कि वह ऐसी देर के लिए भी जवाबदेही तय करे? वरना, मुकदमे की प्रक्रिया ही दंड बन जाती है। वैसे सवाल यह भी है कि जब निचली अदालत में साक्ष्य का न्यायिक परीक्षण अभी नहीं हुआ है, तो फिर यह किस आधार पर तय किया जा सकता है कि किसी घटना में किस अभियुक्त की भागीदारी का स्तर क्या था? बल्कि निचली अदालत में तो दिल्ली दंगों के कुछ मामलों में पेश चार्जशीट और पुलिस जांच की गुणवत्ता पर न्यायाधीशों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मुकदमे की कार्यवाही में उपरोक्त अभियुक्तों से संबंधित मामलों के साक्ष्य नहीं टिके, तो उनके जीवन के जो वर्ष जेल में गुजर रहे हैं, उसकी कैसे भरपाई होगी? दिल्ली दंगों के पीछे किसका हाथ था, इस बारे में अभी सिर्फ अभियोग पक्ष की सोच सामने है। अभियुक्तों की सोच मुकदमे में जिरह के दौरान सामने आएगी। दंगों के पीछे कौन था और किसने क्या भूमिका निभाई, इन सभी मुद्दों पर अभी कुछ तयशुदा रूप में नहीं कहा जा सकता। इसलिए उसकी साजिश में भागीदारी या उसमें श्रेणीबद्ध भूमिका की सारी बातें फिलहाल इल्जाम ही है। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इसे ही जमानत का पैमाना बनाया है। नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए यह चिंताजनक खबर है।

ऐतिहासिकता को भी प्रमाण चाहने वाला मनोविज्ञान !

मनोज श्रीवास्तव

कभी आपने देखा कि विवेक अग्निहोत्री या सुदीप्तो सेन या आदित्य धर आदि निर्देशकों को जब फिल्में बनाना होता है तो उसके पूर्व उन्हें इतिहास का बहुत अध्ययन करना पड़ा है, बहुत सी बारीकियों में उतरना पड़ा है पर किसी मुगल-ए-आजम या किसी जोधा अकबर को बनाने के लिए कभी इन परिशुद्धताओं की आवश्यकता नहीं पड़ी। विवेक या सुदीप्तो या आदित्य से उनसे हर छोटी-छोटी बात के लिए ऐतिहासिक प्रमाण, दस्तावेज, और साक्ष्य मांगे गये। इन फिल्मों की हर घटना, हर संवाद, और हर दृश्य को सूक्ष्मदर्शी यंत्र से परखा गया। विवादों का तूफान खड़ा किया गया, तथ्य-जांचकर्ताओं की पूरी फौज लग गई, और मीडिया में बहसें चलती रहीं। अग्निहोत्री ने जब 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) बनाई, तो उन्होंने लगभग चार वर्षों तक शोध किया। उन्होंने 700 से अधिक कश्मीरी पंडित परिवारों से साक्षात्कार किए, उनके दर्द को समझा, दस्तावेजों का अध्ययन किया, और पुरानी रिपोर्ट्स, समाचार पत्रों और सरकारी अभिलेखों को खंगाला। फिल्म में दिखाए गए अधिकांश दृश्य वास्तविक घटनाओं पर आधारित हैं - जैसे बीके गंजू की हत्या, गिरजा टिक्कू की हत्या, और अन्य भीषण अत्याचार। इसके बावजूद, फिल्म रिलीज होते ही विवादों में घिर गई। तथाकथित बुद्धिजीवियों, इतिहासकारों, और मीडिया के एक वर्ग ने फिल्म को "प्रोपेगेंडा" करार दिया। हर घटना को चुनौती दी गई, हर आंकड़े पर सवाल उठाए गए। यहां तक कि कश्मीरी पंडितों की पीड़ा को भी "अतिरंजित" बताया गया। विवेक अग्निहोत्री को बार-बार अपनी फिल्म के हर दावे को सिद्ध करना पड़ा, साक्ष्य प्रस्तुत करने पड़े, और जनसुनवाई में खड़ा होना पड़ा। द बंगाल फाइल्स बंगाल विभाजन (1947) के दौरान हुए नोआखाली नरसंहार और हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को दिखाती है। जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई या इसके निर्माण की बात आई, तुरंत विवाद शुरू हो गए। फिल्म निर्माताओं से हर घटना के लिए दस्तावेजी सबूत मांगे गए। फिल्म को "सांप्रदायिक एजेंडा" बताया गया। कहा गया कि यह इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों ने इसका विरोध किया। निर्माण टीम द्वारा 7000 से अधिक शोध पृष्ठों और 1000 से अधिक अभिलेखों का अध्ययन किया गया। 20,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों और बचे हुए लोगों और उनके परिवारों के साक्षात्कार लिये। 1946 के भारतीय, अंतरराष्ट्रीय, अमेरिकी और ब्रिटिश समाचार पत्रों की गहन जांच की। महीनों विभिन्न शहरों और गांवों का दौरा किया गया। लोगों से साक्षात्कार लिये, स्थानीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन किया, और बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश की। अग्निहोत्री ने बताया कि जब वे उस समय के समाचार पत्रों की जांच कर रहे थे, तो कुछ छवियों ने उन्हें बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। उन्हें यह जानकर भी सदमा लगा कि डायरेक्ट एक्शन डे में लगभग 40,000 लोग केवल दो रातों में मारे गए, और कोलकाता की सड़कों पर एक महीने से अधिक समय तक मानव शव पड़े रहे क्योंकि उन्हें साफ करने के लिए कोई नहीं बचा था, अधिकांश सफाई कर्मचारी मारे जा चुके थे। उनकी टीम को बहुत सारी बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें कोलकाता में एक होटल में हिरासत में लिया जाना भी शामिल था। सुदीप्तो सेन की 'द केरल स्टोरी' जो केरल में लव जिहाद और आईएसआईएस में भर्ती की कहानी बताती है, को तुरंत "झूठी" और "भ्रामक" करार दिया गया। आंकड़ों पर विवाद हुआ, और फिल्म निर्माताओं को संख्याओं में संशोधन करना पड़ा। आलोचनाओं से निपटने से कहीं अधिक कठिन था फिल्म बनाने में हुआ विरोध। सुदीप्तो ने शोध के लिए केरल में लगभग 10 वर्षों तक काम किया। यह एक असाधारण लंबी अवधि है जो उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2018 में सुदीप्तो ने एक विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'इन द नेम ऑफ लव - मेलानकॉली ऑफ गॉड्स ओन कंट्री' बनाई थी जो धार्मिक रूपांतरण और लव जिहाद पर थी, जिसे लंदन इंडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार मिला। उन्होंने केरल के हर जिले की यात्रा की, और एक बार उन्हें एक बचकर रहना पड़ा जब उन्हें पता चला कि उनके होटल पर हमला हो सकता है। वास्तविक युवा महिलाओं से मुलाकात की जो धार्मिक रूपांतरण से बच निकली थीं और आर्ष विद्या समाजम आश्रम द्वारा उनकी देखभाल की जा रही थी। सेन ने एक विशेष रूप से मार्मिक घटना साझा की जब उन्होंने पहली बार श्रुति से एक छोटे से गांव में मुलाकात की, तो उसके घर में बिजली नहीं थी क्योंकि कनेक्शन काट दिया गया था। जब भी वह सब्जियां खरीदने बाहर जाती, लोग उसका बैग छीन लेते। सेन को उनसे उनके घर की एक छोटे खिड़की के माध्यम से साक्षात्कार करना पड़ा क्योंकि वे बाहर आने से डरती थीं। 17 मई को मुंबई के रंग शारदा ऑडिटोरियम में 26 साहसी लड़कियों को केरल से विशेष रूप से इस अवसर के लिए बुलाया गया। अभिनेत्री अदा शर्मा ने निर्देशक द्वारा दिखाए गए वीडियो की भयावहता का खुलासा किया जिसमें लड़कियों और उनके बच्चों को टैंकरों में 16 घंटे तक बिना खाने, पीने या खुद को राहत देने के तरीके के बिना कपड़ों के ढेर की तरह जमा किया जा रहा था। जब तक वे अपने गंतव्य पर पहुंचते, कुछ मर चुके होते थे और अधिकांश आधे-मरे हुए होते थे। उधर, मुगल-ए- आजम को ले लें। इतिहासकारों में आम सहमति है कि अनारकली नाम की कोई दरबारी नर्तकी का कोई विश्वसनीय ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। यह कहानी लोककथाओं और बाद के साहित्य से उत्पन्न हुई प्रतीत होती है। अकबर के समकालीन इतिहासकार अबुल फजल ने 'आइन-ए-अकबरी' में ऐसी किसी घटना का उल्लेख नहीं किया। अकबर के शासनकाल में हुए बनी मुंडों की मीनारें, चित्तौड़ का नरसंहार, और अन्य क्रूर घटनाओं को मुगले आजम में सरासर नजरअंदाज किया गया और दरबारी संस्कृति का रूमानीकरण किया गया। मुगल दरबार को अत्यंत भव्य और सभ्य दिखाया गया, जबकि उस समय की हकीकत कहीं अधिक जटिल और कठोर थी। क्या 'मुगल-ए-आजम' के निर्माताओं से कभी यह पूछा गया कि अनारकली के अस्तित्व का प्रमाण क्या है? क्या उन्हें यह सिद्ध करना पड़ा कि दीवार में चुनवाने की घटना सत्य है? नहीं। फिल्म को "कलात्मक स्वतंत्रता" के नाम पर स्वीकार किया गया और इसे एक क्लासिक बना दिया गया। जोधा अकबर तो ऐतिहासिक विरूपण का और भी बड़ा उदाहरण है। अकबर की पत्नी का नाम 'जोधा' था या नहीं, यह अत्यंत विवादास्पद है। अधिकांश इतिहासकारों का मानना है कि अकबर की राजपूत पत्नी का नाम 'हरका बाई' या 'हीर कुंवरी' था, जो बाद में 'मरियम-उज-जमानी' कहलाईं। 'जोधा' नाम का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। अकबर को एक अत्यंत उदार, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील शासक के रूप में दिखाया गया, जबकि उसके द्वारा किए गए नरसंहारों और क्रूरताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। फिल्म रिलीज हुई, तो राजस्थान और अन्य राज्यों में राजपूत समुदाय ने इसका विरोध किया। उन्होंने फिल्म को ऐतिहासिक रूप से गलत बताया। लेकिन मीडिया और बुद्धिजीवियों ने इस विरोध को "असहिष्णुता" करार दिया। फिल्म निर्माताओं को अपने दावों को सिद्ध करने की जरूरत नहीं पड़ी। गोलकीपर नेगी को कबीर खान बना देना कलात्मक स्वतंत्रता है तो वह स्वतंत्रता सेलेक्टिव क्यों है? कभी गौर कीजिए कि इन दिनों गैर-वाम बहुत अध्ययन के साथ काम कर रहा है और वाम अपने चालू जुमलों में अटका पड़ा है।बुद्धिजीविता की तराजू का संतुलन बदल रहा है। आपको शायद यह व्यंग्य लगे कि मैं कहूँ कि आज के युग में शंकराचार्य के 'ब्रह्म सत्य जगन्मिथ्या' को सच मानने वाला सिर्फ वाम बुद्धिजीवी है इस फर्क के साथ कि अपने ब्रह्म को वह मार्क्स कहता है। पर जगत् का कार्य व्यापार, उसकी हक़ीक़तें, उसकी सच्चाई इस बुद्धिजीवी के लिए सब मिथ्या हैं। अब सोचिए, वह कौन-सा मनोविज्ञान है, कौन सी बुद्धिजीविता जिसमें कुछ चीजें अनैतिहासिक होने पर भी स्वतःसिद्ध हैं और वह कौन-सा मनोविज्ञान है जिसमें कुछ चीजें ऐतिहासिक होने पर भी प्रोपेगंडा हैं?

मकर संक्रांतिः आहार का विज्ञान और समाज संगठन का सूत्र

गिरीश जोशी

आज के समय में हम लोग अपने भोजन को लेकर बड़े सजग हैं। खाने की हर चीज के बारे में उसकी कैलोरी को देखकर उसे खाने या ना खाने का फैसला लेते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि संक्रांति के समय तिल–गुड़ और खिचड़ी क्यों खाना चाहिए, पतंग क्यों उड़ाते हैं। नई पीढ़ी के ढेर सारी सवालों का जवाब आज के विज्ञान की दृष्टि से देखने की कोशिश करते हैं तो ये दिखता है कि हमारे देश में सारे त्योहार प्राकृतिक घटनाओं से जुड़े हुए हैं। मुख्य रूप से ग्रह-नक्षत्रों की गति, अलग-अलग राशियों में भ्रमण के आधार पर उत्सव पर्व मनाए जाते हैं। शास्त्रों में लिखा है- "माघे मासे तु संप्राप्ते मकरं सूर्यगच्छति। तस्मात् संक्रान्तिरित्युक्ता पुण्यदा पुण्यवर्धिनी॥" अर्थात - माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उसे मकर संक्रांति कहते हैं। यह पर्व पुण्य देने वाला और पुण्य को बढ़ाने वाला होता है। वास्तव में सूर्य तो अपने अक्ष पर होता है, पृथ्वी और अन्य ग्रह उसके चारों और चक्कर लगाते हैं लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है यानी पृथ्वी से देखने पर सूर्य मकर राशि में दिखाई देने लगता है तब मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर संक्रांति के बाद दिन बड़े होने लगते हैं और रात छोटी होने लगती है। यानी इस दिन से जीवन में प्रकाश का समय बढ़ने लगता है, अंधकार घटने लगता है। हमारी संस्कृति में प्रकाश को ज्ञान का प्रतीक भी माना जाता है अंधकार को अज्ञान कहा जाता है। संक्रांति का अर्थ है सम्यक क्रांती अर्थात योग्य दिशा में व्यक्ति और समाज का परिवर्तन। समाज को आत्मविस्मृति के अंधकार से बाहर निकाल कर, चेतना के जागृति के, सत्य के प्रकाश की ओर ले जाना सनातन संस्कृति का उद्देश्य है। इस लक्ष्य की याद समाज को करवाने के लिए मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर राशि में प्रवेश करने वाले सूर्य की महत्ता को बताने वाली एक सूक्ति है– "नमः सूर्याय लोकाय लोकनाथाय भास्वते। सर्वरोगहरायैव मकरस्थाय ते नमः॥" अर्थात - लोकों को प्रकाशित करने वाले, लोकनाथ, तेजस्वी सूर्यदेव को नमस्कार है। मकर राशि में स्थित सभी रोगों को दूर करने वाले सूर्य को प्रणाम है। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ साथ में खाने की परंपरा है। शास्त्र कहते है - "तिलगुडैः सह हर्षेण सूर्यपूजा विधीयताम्। मकरसंक्रान्तिकालेऽस्मिन् सर्वे सन्तु निरामयाः॥" अर्थात मकर संक्रांति के अवसर पर तिल और गुड़ के साथ हर्षपूर्वक सूर्य की पूजा की जाए। इस पावन समय में सभी लोग स्वस्थ और निरोग रहें। हमारे पूर्वज विज्ञान जानते थे। आज का विज्ञान कहता है तिल में उच्च मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन और स्वस्थ वसा होती है, जो ठंडे मौसम में शरीर को ऊर्जा देती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। साथ ही तिल में कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। सर्दी में हड्डियों में दर्द और समस्याएँ बढ़ सकती हैं, लेकिन तिल इन समस्याओं को कम करने में मदद करता है। उसी तरह गुड के बारे में आज का विज्ञान कहता है कि गुड़ में प्राकृतिक गर्मी होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है। सर्दियों में कई बार शरीर में पानी की कमी और पाचन संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और गुड़ इन समस्याओं को हल करने में मदद करता है। सर्दियों में शरीर की इम्युनिटी कमजोर हो सकती है और गुड़ में आयरन और फोलिक एसिड की मौजूदगी से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। गुड़ में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इन वैज्ञानिक गुणों के कारण सर्दी में गुड़ और तिल खाने की परंपरा हमारे पूर्वजों ने स्थापित की।

खिचड़ी क्यों खाई जाती है–

मकर संक्रांति के समय शीत ऋतु अपने चरम पर होती है। इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है। खिचड़ी हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन है, जो शरीर को ठंड से संरक्षण देता है और पाचन को संतुलित रखता है। आयुर्वेदिक दृष्टि सेखिचड़ी में चावल और दाल का संयोजन होता है, जिसे आयुर्वेद में "पूर्ण आहार" माना जाता है। दाल से प्रोटीन, चावल से ऊर्जा घी से बल और ओज मिलता है। शीत ऋतु में बढ़ने वाले वात और कफ के दोष को खिचड़ी संतुलित करती हैं। उत्तर भारत, विशेषकर प्रयागराज और पूर्वांचल क्षेत्रों में मकर संक्रांति को "खिचड़ी पर्व" भी कहा जाता है। इस दिन खिचड़ी का दान पुण्यकारी माना जाता है। साधु-संतों और जरूरतमंदों को खिचड़ी खिलाने की परंपरा भी है। खिचड़ी सादा और सर्वसुलभ भोजन है। इसे सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से ग्रहण कर सकते हैं, इसलिए यह समरसता और समानता का प्रतीक भी मानी जाती है। संक्रांति पर खिचड़ी खाना शरीर को स्वस्थ रखने, ऋतु के अनुकूल आहार लेने और धार्मिक पुण्य अर्जित करने, संगठन और समरसता का भाव बढ़ाने का प्रतीक है। मकरस्थे दिवाकरे दानस्नानतपःक्रियाः। कृताः कोटिगुणं पुण्यं ददाति नात्र संशयः॥ अर्थात - सूर्य के मकर राशि में स्थित होने पर किया गया दान, स्नान और तप करोड़ों गुना पुण्य प्रदान करता है, इसमें कोई संदेह नहीं। इसीलिए मकर संक्रांति के अवसर पर जरूरतमंदों को उनके लिए जरूरी चीजों का दान सक्षम और समर्थ लोगों को करने के लिए कहा गया है। इस अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, ये भारतीय लोक संस्कृति का हिस्सा है। जो खुशी, उल्लास और उत्सव का प्रतीक है। पतंग उड़ाना एक हल्का व्यायाम है। खुले आकाश में रहने से मानसिक तनाव कम होता है। धूप में रहने से शरीर को विटामिन-D मिलता है जिससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हमारी मान्यता है कि समाज में परिवर्तन, समन्वय और आत्मीयता पूर्ण व्यवहार से लाया जाना चाहिए। इसके लिए समाज के साथ संपर्क और समाज का संगठन जरूरी है। इस उत्सव में पहले लोग एक दूसरे के घरों पर संपर्क के लिए भेंट के लिए जाया करते थे वहां तिल और गुड़ का सेवन किया जाता था। महाराष्ट्र में आज भी कहा जाता है "तिल गुड घ्या आणि गोड गोड बोला" इसका अर्थ है आइए तिल गुड खाइए और एक दूसरे से मीठा बोलिए, मधुर व्यवहार कीजिए, यही संगठन का भी मूल सूत्र है।

मेष राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सयोग करेंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

मिथुन राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनातमक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आज का आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिये फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की सम्भावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे । जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यो में वाह-वाही मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यो को करते समय फोकस बनायें रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखुबी निभायेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता निकाल लेंगे । नई योजना पर काम शुरू हो सकता है ।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आपकी इच्छा शक्ति मजबूत बनी रहेगी। आज आपको अपने अन्दर ईगो लेन से बचना होगा।

धनु राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करियर को बढ़ाने मे किए गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको ख़ुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी, आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे । किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज नकारात्मक विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करें। आज आपको काम की जगह नए अवसर मिलेंगे।

रक्तहीन क्रांति के 105 साल

प्रयाग पाण्डे

भारत की आजादी के लिए हुए जन संघर्षों की विस्तृत श्रृंखला में 14 जनवरी, 1921 की तारीख को नहीं भुलाया जा सकता । इसी रोज उत्तराखंड की जनता ने अहिंसक सामूहिक प्रतिरोध के बूते न केवल सर्वशक्तिमान ब्रिटिश सत्ता को घुटनों के बल ला दिया, बल्कि पिछले लंबे समय से चली आ रही कुली-बेगार जैसी अमानुषिक कुप्रथा से मुक्ति पा ली थी। उत्तराखंड में कुली-बेगार उन्मूलन आंदोलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भारत में प्रारंभ किए गए असहयोग आंदोलन के रूप में अभिव्यक्त हुआ और पूर्णतः सफल रहा। उत्तराखंड को गोरखा सैनिक शासन के जुल्मी शिकंजे से मुक्त करा कर अंग्रेजों ने 1815 में यहां अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था। ब्रिटिश राज कायम होने के बाद बेशक हरिद्वार का 'दास बाजार' धीरे-धीरे कमजोर पड़ा, लेकिन अंग्रेज यहां के पूर्ववर्ती राजाओं की भांति गांवों के प्रधानों/ पटवारियों के माध्यम से इस क्षेत्र के काश्तकारों से कुलियों का काम अनवरत लेते रहे। 1815 में यहां ईष्ट इंडिया कंपनी और 1858 में ब्रिटिश शासनकाल में यह कुप्रथा उत्तराखंड के भोले - भाले ग्रामीण काश्तकारों के अपमान और शोषण का औजार बन गई थी। 1863 -73 के दसवें भूमि बंदोबस्त में जे.ओ.बी. बेकट ने बड़ी चालाकी से कुली - बेगार, कुली - उतार और कुली - बर्दायश को भूमि बंदोबस्ती इकरारनामों का हिस्सा बना दिया था। कुली- बेगार कुप्रथा के तहत यहां के प्रत्येक जमींदार, हिस्सेदार और आसामी को सरकार ने कुली का दर्जा दिया था। जिनके पास भी काश्तकारी की जमीन हो, वे सभी कुली कहलाते थे। भूमिहीन इस कलंक से मुक्त थे। तब पहाड़ में भूमिधर होना सम्मान की नहीं बल्कि 'कुली' होने का अभिशाप था। यह कुख्यात कुली प्रथा तीन चरणों में विभक्त थी, जिसे कुली - उतार, कुली - बेगार और कुली- बर्दाश्त कहा जाता था। अंग्रेज साहबों के दौरों और सैर-सपाटों के वास्ते पटवारी कुलियों की मांग तथा कुली बर्दाश्त का रूक्का प्रधानों/ थोकदारों को भेजते थे। कुली -उतार के तहत सरकारी आदेश पर लोगों को सामान ढोने के लिए गांव से उतर कर सड़क में बने पड़ावों में एकत्र होना पड़ता था। दौरे पर आने वाले पुलिस, प्रशासन, जंगलात विभाग एवं सेना के अधिकारियों, सैलानियों, सर्वे दलों और अंग्रेज काश्तकारों का सारा सामान, यहां तक कि कमोड, जूते और ऐसी सामग्री ढोने को मजबूर किया जाता था, जिससे यहां की धर्मभीरु जनता की धार्मिक भावनाएं आहत होती हों। स्कूल, सड़कें, पुल, डाक बंगले और वन विभाग की चौकियां आदि सार्वजनिक उपयोग के निर्माण कार्य भी बेगार द्वारा कराए जाते थे। साहब लोगों के रहने के लिए मुफ्त में टेंट गाड़ना, पानी भरना, उनके जूठे बर्तन साफ करना, उनके घोड़ों के लिए घास और जलावन के लिए ईंधन की व्यवस्था करना आदि छोटे-मोटे काम कुली- बेगार कहलाते थे। जबकि कुली- बर्दाश्त कुप्रथा रसद से जुड़ी थी। इसके अंतर्गत साहब लोगों के दौरों के दौरान पटवारी गांव वालों से घास, लकड़ी, कोयला, अन्न, घी, दूध - दही, अंडा-मुर्गा, दालें, सब्जी, बर्तन और अन्य खाद्य सामग्री मुफ़्त अथवा नाममात्र की कीमत पर लेते थे। पहाड़ के प्रत्येक गांव में कुली रजिस्टर बनते थे, इन रजिस्टरों में 'कुलियों' के नाम कटते और जुड़ते रहते थे। हरेक गांव में कुलियों की संख्या निर्धारित थी। सरकारी आज्ञा पर इन्हें निर्धारित कुली पड़ावों में हर हालत में हाज़िर होना पड़ता था। व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक सुख-दुःख, प्रतिकूल मौसम और तीज- त्यौहार, किसी भी परिस्थिति में कुली को बारी से छूट नहीं मिलती थी। बोझा नहीं ढोने वालों को अर्थदंड देना पड़ता था। अंग्रेज साहबों की सुविधा के लिए बेगारी देना उत्तराखंड के लोगों विशेषकर ग्रामीण काश्तकारों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी था। इस अमानुषिक कुप्रथा से संपूर्ण उत्तराखंड की जनता त्रस्त थी। अपमान सहने को विवश थी। उत्तराखंड में प्रचलित इस अमानुषिक व्यवस्था के विरुद्ध अतीत में अनेक बार विरोध के छुटपुट स्वर मुखरित होते रहे, लेकिन कोई बड़ा जनांदोलन खड़ा नहीं हो पाया था। 1913 में बदरी दत्त पाण्डे ने 'अल्मोड़ा अखबार' के संपादक का दायित्व संभाला। इसके बाद उन्होंने इस प्रथा के विरुद्ध लिखना शुरू किया। बदरी दत्त पाण्डे ने लाला चिरंजीलाल और लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर इस कुप्रथा के विरुद्ध जन जागरण अभियान की शुरुआत की। 1904 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस प्रथा को नियम विरुद्ध और गैर कानूनी करार दिया। व्यवस्थापिका सभा में भी इस प्रथा के विरोध में प्रस्ताव पारित हुआ। बावजूद इसके तब उत्तराखंड में तैनात मनबढ़ अंग्रेज अधिकारियों ने इस व्यवस्था को कायम रखा। यही नहीं 1913 में अल्मोड़ा के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर ने अल्मोड़ा शहरवासियों को भी कुली उतार देने के आदेश जारी कर दिए। बोझा नहीं ढोने वालों के ऊपर प्रतिवर्ष दो रुपया कुली-कर लगा दिया गया। रायबहादुर तारा दत्त गैरोला ने प्रांतीय कौंसिल में इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। इस विषय में ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी चर्चा हुई। ब्रिटिश पार्लियामेंट में तत्कालीन भारत मंत्री ने यह कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया कि यह व्यवस्था अंग्रेजों ने कायम नहीं की है, इसलिए इसे हटाने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता। कालांतर में भारत मंत्री के इस वक्तव्य का उत्तराखंड की जनता ने ऐसा प्रतिउत्तर दिया, जिसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में कम ही पाई जाती है। 1916 में नैनीताल में कुमाऊं परिषद का गठन हुआ। तब कुमाऊं परिषद को 'कुमाऊं की कांग्रेस' कहा जाता था। इसी साल कुमाऊं परिषद का अल्मोड़ा में पहला अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में कुली-बेगार कुप्रथा के विरोध में प्रस्ताव पास हुआ। इसके बाद गोविंद बल्लभ पन्त, हरगोविंद पन्त और बदरी दत्त पाण्डे ने कुली बेगार व्यवस्था के विरोध में गांव-गांव जन सभाएं करनी प्रारंभ कर दी। 1918 में कुमाऊं परिषद का हल्द्वानी में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता रायबहादुर तारा दत्त गैरोला ने की। इस सम्मेलन में ब्रिटिश सरकार को दो साल के भीतर कुली-बेगार प्रथा को बंद करने का नोटिस देने का निर्णय लिया गया। नोटिस में कहा गया कि यदि तय समयावधि में इस प्रथा को नहीं हटाया गया तो उत्तराखंड की जनता सत्याग्रह करेगी। इसी के साथ कुली- बेगार प्रथा के विरुद्ध गांव-गांव जन जागरण अभियान शुरू हो गया। इसी कालखंड में भारत के राजनैतिक क्षितिज में महात्मा गांधी का पदार्पण हुआ। भारत की राजनीति में गांधी युग की शुरुआत हुई। 1918 में बदरीदत्त पाण्डे कोलकाता गए, वहां उन्होंने महात्मा गांधी से भेंट की और उन्हें उत्तराखंड के इस कुली कलंक से अवगत कराया। 1920 में हरगोविंद पन्त की अध्यक्षता में कुमाऊं परिषद का काशीपुर में अधिवेशन हुआ। अधिवेशन में कुली - उतार उन्मूलन का संकल्प पारित हुआ। इसी साल दिसंबर में कांग्रेस का नागपुर में अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में बदरीदत्त पाण्डे, भुवनेश्वर पाण्डे, हरगोविंद पन्त, लाला चिरंजीलाल, लक्ष्मण दत्त भट्ट एवं शिवनंदन पाण्डे आदि पहाड़ के 22 नेता नागपुर गए। इन नेताओं ने गांधी जी से अल्मोड़ा आने का आग्रह किया। गांधी जी ने कहाः 'भाई मुझे बहुत काम है। मेरे कुर्मांचली भाइयों से कह दें कि कुली देना नहीं होता है।' एक अगस्त,1920 से गांधी जी ने ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध देशव्यापी असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया था। उत्तराखंड में असहयोग आंदोलन कुली-बेगार विरोधी आंदोलन के रूप में अभिव्यक्त हुआ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

एजेंसी, राजकोट

पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निरंजन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा। पहले एकदिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। भारतीय टीम को इस मैच में वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा क्योंकि वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर है। ऐसे में इस मैच उनकी जगह शामिल आयुष बाडोनी को शामिल किया जा सकता है। अगर आयुष को जगह मिलती है तो अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।

दोनो ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11- रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11- माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), जाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक

नॉर्वे चेस 2026 का आयोजन अब ओस्लो में, स्टावेंगर के बाद नए युग की शुरुआत

एजेंसी, ओस्लो

विश्व के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंटों में शामिल नॉर्वे चेस अब एक नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। 13 वर्षों तक स्टावेंगर में आयोजित होने के बाद वर्ष 2026 से नॉर्वे चेस और नॉर्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट का आयोजन नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में किया जाएगा। दोनों टूर्नामेंटों का मुख्य आयोजन स्थल डाइखमन ब्योर्विका होगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 मई से 5 जून तक खेली जाएगी, जिसमें विश्व शतरंज के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी भाग लेंगे। नॉर्वे चेस की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी और तब से लेकर अब तक स्टावेंगर इस टूर्नामेंट का स्थायी घर रहा। इस शहर ने टूर्नामेंट को एक अलग पहचान दी और इसे अंतरराष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर का एक अहम हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नॉर्वे चेस के संस्थापक और सीईओ केजेल मैडलैंड ने स्टावेंगर शहर के योगदान की सराहना करते हुए कहा, "स्टावेंगर के सभी राजनीतिक दलों के समर्थन और सहयोग के बिना नॉर्वे चेस आज जिस मुकाम पर है, वहां तक पहुंचना संभव नहीं था। खासतौर पर नॉर्वे चेस विमेंस के विकास में शहर की भूमिका ऐतिहासिक रही है, जहां पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि दी गई। हम अपने स्थानीय प्रायोजकों और स्वयंसेवकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने मिलकर नॉर्वेजियन खेल इतिहास का एक अध्याय लिखा।" ओस्लो में आयोजन को लेकर नॉर्वे चेस की सीओओ बेनेडिक्टे वेस्ट्रे स्कोग ने कहा कि राजधानी में आने से टूर्नामेंट को और अधिक अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा, "ओस्लो एक वैश्विक मिलन स्थल है और यहां नॉर्वे चेस की स्थापना से हम दर्शकों, भागीदारों और युवा शतरंज प्रेमियों तक और व्यापक रूप से पहुंच सकेंगे।" मैडलैंड ने आगे कहा कि स्टावेंगर हमेशा नॉर्वे चेस की पहचान का हिस्सा रहेगा, लेकिन टूर्नामेंट को विश्व स्तर पर और आगे ले जाने के लिए ओस्लो एक स्वाभाविक अगला कदम है। डाइखमन ब्योर्विका लाइब्रेरी में नॉर्वे चेस 2026 के आयोजन को लेकर वहां की प्रमुख लाइब्रेरियन मेरिटे ली ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, "हमें गर्व है कि डाइखमन ब्योर्विका नॉर्वे चेस 2026 की मेजबानी करेगा। हम इस ऐतिहासिक भवन को शतरंज खिलाड़ियों, दर्शकों और जिज्ञासु आगंतुकों से भरने के लिए उत्साहित हैं।" विश्व के पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे चेस 2026 में भाग लेने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। बाकी प्रतिभागियों के नाम आने वाले हफ्तों में घोषित किए जाएंगे, साथ ही नॉर्वे चेस विमेंस की लाइन-अप भी सामने आएगी। नॉर्वे चेस का यह 14वां संस्करण होगा, जबकि नॉर्वे चेस विमेंस तीसरी बार आयोजित किया जाएगा। मैग्नस कार्लसन अब तक नॉर्वे चेस के हर संस्करण में खेले हैं और सात बार खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर : आकाश चोपड़ा

एजेंसी, मुंबई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का अवसर मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की राहुल ने 49वें ओवर तक संयम रखते हुए बड़े शॉट नहीं खेले। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। चोपड़ा राहुल की इसी शांत और समझदारी भरी पारी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राहुल में बहुमुखी प्रतिभा है। वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दबाव के बीच भी शांत बने रहे और उन्होंने धैर्य बनाये रखा। चोपड़ा ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में केएल राहुल का बल्लेबाजी का तरीका अलग ही था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर देखते आये हैं। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी समाप्त करने का प्रयास करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह उन गेंदों पर एक रन बना रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही अवसरों का इंतजार किया। एक एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी शुरु कर सकते हैं। मध्यक्रम में उतर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर विकेट कीपिंग भी कर सकते हैं।

काजुयोशी हैं सबसे उम्रदराज फुटबॉलर

एजेंसी, टोक्यो

जापान के काजुयोशी मियूरा 58 साल की उम्र में भी पेशेवर फुटबॉल में टिके हुए हैं। मियूरा ने टोक्यों में जापान की घरेलू फुटबॉल लीग (जे-लीग) के लिए क्लब फुकुशिमा यूनाइटेड एफसी से करार किया है। जे लीग तीसरे दर्जे की लीग है। वहीं मियूरा विश्व के सबसे अधिक उम्र के पेशेवर फुटबॉलर के तौर पर सामने आये है। जिन्हें देखकर सभी हैरान हैं हालांकि उनका मानना है कि बढ़ती उम्र के साथ ही उनका खेल और बेहतर होता जा रहा है। उन्हें फुकुशिमा से जुड़ने के बाद कहा, 'मेरा जुनून उम्र के साथ ही खेल के प्रति बढ़ता जा रहा है। भले ही मेरी उम्र बढ़ रही है पर मुझे लगता है कि मेरा जोश पहले से भी ज्यादा हो गया है। फुकुशिमा यूनाइटेड ने मियूरा को योकोहामा एफसी से कर्ज पर लिया है। उन्होंने गत सत्र में चौथी डिवीजन क्लब एटलेटिको सुजुका के लिए खेला था। वह हालांकि कोई गोल नहीं कर पाये थे। मियूरा ने जापान के अलावा ब्राजील, इटली, क्रोएशिया, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल में पेशेवर फुटबॉल खेला है। उन्होंने 1986 में ब्राजील के प्रसिद्ध क्लब सैंटोस से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। महान खिलाड़ी पेले ने इसी क्लब से खेला था। मियूरा साल 2017 में, 50 वर्ष की उम्र में पेशेवर मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के महान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्टेनली मैथ्यूज के नाम था। मियूरा जापान के बड़े खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। 1990 के दशक में उन्होंने जापान की राष्ट्रीय टीम के लिए 89 मैचों में 55 गोल किए थे।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

भारत में सुरक्षा का कोई खतरा नहीं

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है। वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है। वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़क

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को पूरे दिन उठा पटक का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के पहले सत्र में मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले बाजार में जबरदस्त बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये दोनों सूचकांक भी बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स इंट्रा-डे में 995 अंक से अधिक फिसल गया। इसी तरह निफ्टी भी इंट्रा-डे में लगभग 300 अंक टूट गया। कारोबार के आखिरी घंटे में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ हद तक सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 467.62 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.73 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,327 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,045 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,095 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 187 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,863 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,413 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,450 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 201.15 अंक की मजबूती के साथ 84,079.32 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक 379.86 अंक की तेजी के साथ 84,258.03 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी टिकाऊ नहीं हो सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार को संभालने के लिए खरीदारों ने बीच में कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन सेंसेक्स की चाल सुधर नहीं सकी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 995.24 अंक लुढ़क कर 615.38 अंक की कमजोरी के साथ 83,262.79 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी घंटे में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 364.90 अंक की रिकवरी करके 250.48 अंक की गिरावट के साथ 83,627.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ब्लिंकिट कर्मचारियों की हड़ताल के बाद 10 मिनट की डिलीवरी बंद करेगा

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब 10 मिनट की गारंटी वाली डिलीवरी की सेवा बंद करेगा। हालांकि कंपनी ग्राहकों को सामान पहुंचाने की सेवाएं बिना किसी समय सीमा के जारी रखेगी। ब्लिंकिट यह कदम केंद्र सरकार की पहल और कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अपने सभी ब्रांड से यह फीचर हटाने जा रहा है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कंपनी के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार की "गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा" के लिए जो पहल की गई है, उसी के अंतर्गत कंपनी ने यह निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार सरकार की पहल पर क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट अब देश में 10 मिनट के भीतर डिलीवरी वाला फीचर हटाने जा रहा है। सूत्रों ने यह स्पष्ट किया कि कंपनी लोगों को मांग पर उनके स्थान पर सामान पहुंचाने की सेवाएं जारी रखेगी, सिर्फ दस मिनट की गारंटी का वादा नहीं रहेगा। कंपनी ने ये कदम केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया की पहल पर उठाया है। इसको लेकर क्विक-कॉमर्स कंपनियों की टिप्पणियों का इंतजार है। हालांकि ब्लिंकिट के अलावा अन्य किसी कंपनी ने फिलहाल ऐसी किसी योजना की बात नहीं कही है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने पिछले महीने क्विक-कॉमर्स कंपनियों के साथ कई बैठकें कीं। बैठक के दौरान मंडाविया ने उनसे "गिग वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा" के लिए 10-मिनट डिलीवरी सर्विस की मार्केटिंग और ब्रांडिंग बंद करने का आग्रह किया था। बड़े डिलीवरी एग्रीगेटर्स 10-मिनट डिलीवरी की ब्रांडिंग और मार्केटिंग हटाने पर सहमत हो गए हैं। इसके अलावा मंडाविया ने डिलीवरी टाइमलाइन से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए ब्लिंकिट, जेप्टो, जोमैटो और स्विगी जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म से मुलाकात की थी। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने कंपनियों को अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी के वादों की ब्रांडिंग बंद करने के लिए "प्रेरित" किया, ताकि गिग वर्कर्स के लिए ज्यादा सुरक्षा, संरक्षा और बेहतर काम करने की स्थिति सुनिश्चित की जा सके। उल्लेखनीय है कि देशभर के गिग वर्कर्स ने 31 दिसंबर की रात हड़ताल की थी। 10 मिनट की टाइम लिमिट के चलते इन पर तेज डिलीवरी का दबाव बढ़ रहा था। समय पर डिलीवरी के दबाव के कारण डिलीवरी पहुंचाने वाले कर्मचारियों के सड़क हादसों की घटनाएं बढ़ रहीं हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताओं को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री को इस मामले से अवगत कराया था।

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली। यात्री वाहनों की थोक बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी है। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि दिसंबर में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो दिसंबर 2024 की 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी अधिक है। सियाम के मुताबिक दिसंबर महीने में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 11,05,565 इकाई के मुकाबले 39 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 15,41,036 इकाई हो गई। वहीं, तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 61,924 इकाई रही है, जो दिसंबर 2024 की 52,733 इकाई की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। सियाम ने बिक्री के परिदृश्य पर कहा कि वाहन उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत गति के साथ प्रवेश कर रहा है, क्योंकि 2025 के अंत में सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गयी। चौथी तिमाही के दौरान वाहनों की थोक एवं खुदरा बिक्री की मात्रा में स्थिर वृद्धि की उम्मीद है। उद्योग जगत ने कहा, ''भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर नजर रखते हुए उद्योग निकाय को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 सकारात्मक वृद्धि के साथ समाप्त होगा।

लोहिड़ी के दिन नए शिखर पर सोना, चांदी ने भी बनाया ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। लोहिड़ी के दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,570 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक की छलांग लगाई है। सर्राफा बाजार में आई आज की तेजी के कारण सोना ओर चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कीमत में आज आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,160 रुपये से लेकर 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,310 रुपये से लेकर 1,30,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,70,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,42,310 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,42,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जोरदार तेजी आई है।

ईरान में अशांति से प्रभावित हो रहा भारत का बासमती चावल निर्यात

नई दिल्ली। ईरान में नागरिक अशांति और आंतरिक अस्थिरता ने भारत के बासमती चावल निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) के अनुसार भुगतान में देरी और अनुबंधों में अनिश्चितताएं निर्यातकों के लिए प्रमुख चुनौती बन गई हैं। बाजार आंकड़ों के अनुसार पिछले एक सप्ताह में बासमती की प्रमुख किस्मों की कीमतें गिर गई हैं। किस्म-1121 85 से 80 रुपए प्रति किलोग्राम पर आई, जबकि 1509 और 1718 किस्म 70 से 65 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। गिरती कीमतें खरीदारों की झिझक, भुगतान में देरी और निर्यात जोखिमों की चिंता को दर्शाती हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर में भारत ने ईरान को 5.99 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया, जिसकी कीमत 468.10 मिलियन डॉलर रही। अमेरिका के साथ व्यापार पर पहले ही 50 फीसदी शुल्क है और हालिया संकेतों के अनुसार 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। हालांकि, वैश्विक बाजार में भारतीय बासमती की स्थिति मजबूत बनी हुई है। आईआरईएफ ने निर्यातकों से ईरानी अनुबंधों पर जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने और सुरक्षित भुगतान अपनाने का आग्रह किया है। संगठन ने वैकल्पिक बाजारों जैसे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अवसर तलाशने की सलाह दी।

वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट हुई कंफर्म, 5 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी

है जवानी तो इश्क होना है से डेविड धवन एक बार फिर निर्देशक की कुर्सी पर वापसी कर रहे हैं. इस रोम-कॉम में वरुण धवन संग मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आएंगीं. वहीं इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं. पहले यह फिल्म अप्रैल 2026 में रिलीज होनी थी. लेकिन इसकी तारीख को आगे बढ़ा दिया गया था. फाइनली मेकर्स ने आज है जवानी तो इश्क होना है की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. जानते हैं ये फिल्म कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी? बता दें कि वरुण धवन स्टारर अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट आज अनाउंस हो गई है. इस फिल्म के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर इसकी रिलीज डेट अनाउंस करते हुए लिखा है, ड्रामा भी होना है, कॉमेडी भी क्योंकि जब है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक पॉपुलर सॉन्ग है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन हैं. माना जा रहा है कि अपकमिंग ड्रामा फिल्म का नाम इस पॉपुलर ट्रैक से इंस्पायर है. ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक एक सोर्स ने बताया है, ये एक यूनिक टाइटल है जो उस दुनिया से मेल खाता है जिसे डेविड धवन वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और श्रीलेला के साथ रचने की सोच रहे हैं. ये एक मज़ेदार फैमिली एंटरटेनर है जिसके सेंटर में तीनों का लव ट्रायंगल है. डेविड धवन ने एक नया और अनोखा कॉन्सेप्ट तैयार किया है और उन्हें बड़े पर्दे पर कॉमेडी का जादू फिर से जगाने का पूरा भरोसा है. इस बीच, वरुण धवन की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वे हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आए थे. अब वरुण वॉर बेस्ड ड्रामा बॉर्डर 2 में नजर आएंगे ये फिल्म 22 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगी. इसके अलावा खबर है कि वह नो एंट्री में में भी नज़र आएंगे। उनकी मच अवेटेड फिल्मों में मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की भेड़िया 2 है.

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम का टीजर रिलीज, एक्शन अवतार में नजर आईं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम का टीजर आज रिलीज हो गया है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से इंतजार था। अब आज टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म के लिए और भी बढ़ गया है। टीजर में इमोशन से लेकर एक्शन तक देखने को मिल रहा है। यहां जानते हैं कैसा है फिल्म का टीजरज् सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर बहुप्रतीक्षित टीजर साझा किया है। 1 मिनट 47 सेकंट के इस टीजर की शुरुआत में एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद

बोल्ड है। इस फिल्म का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है। जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी ओह! बेबी के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं। जबकि दिग्गज अभिनेत्रियां गौतमी और मंजुषा अहम किरदारों में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया है। कई यूजर्स ने सामंथा की बड़े पर्दे पर दमदार वापसी पर खुशी जताई है। एक फैन ने लिखा कि टीजर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। जबकि एक ने लिखा की जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। तो वहीं कई प्रशंसकों ने सामंथा को एक्शन अवतार में देखकर खुशी जताई है। फैंस को सबसे ज्यादा बस में सामंथा का एक्शन सीन काफी पसंद आ रहा है, जहां वो साड़ी पहनकर जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं।

वेंकटेश पेद्दापलेम की एक्शन क्राइम एंटरटेनर वन/4 (वन बाय फोर) की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 30 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार फिल्म

तेजस गुंजल फिल्म्स और रोहित गुंजल फिल्म्स गर्व से एक्शन क्राइम ड्रामा वन/4 प्रस्तुत करते हैं, जिसमें वेंकटेश पेद्दापलेम, अपर्णा मल्लिक और हीना सोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन बाहुबली पलानी के ने किया है, जिन्होंने इससे पहले ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। रंजना राजेश गुंजल और रोहित रामदास गुंजल द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, वन/4 30 जनवरी को 200 सिनेमाघरों में भव्य विश्वव्यापी रिलीज के लिए तैयार है। इस अवसर पर बोलते हुए, फिल्म यूनिट ने बताया, वन/4 (वन बाय फोर) एक रोमांचक एक्शन क्राइम एंटरटेनर है, जिसका कॉन्सेप्ट बिल्कुल नया है। असल जिंदगी में हम अक्सर जुबान फिसलने के परिणामों को कम आंकते हैं, लेकिन इसका असर जिंदगी बदल देने वाला हो सकता है। यह फिल्म दिखाती है कि जब एक छोटी सी गलती अप्रत्याशित अपराधों की एक श्रृंखला को जन्म देती है तो क्या होता है। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीन, कलाकारों का दमदार अभिनय, सागर मास्टर की ऊर्जावान कोरियोग्राफी और सुभाष आनंद का मनमोहक संगीत है। निर्देशक पलानी के. की दृश्यात्मक कहानी, जो एसएस राजामौली की भव्य कथा शैली से प्रेरित है, दर्शकों को बिना किसी नीरस क्षण के बांधे रखती है। हर फ्रेम को सस्पेंस और गति बनाए रखने के लिए बारीकी से तैयार किया गया है। टीम ने विश्वासपूर्वक कहा कि वन/4 एक हाई-वोल्टेज सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगा और 30 जनवरी को दुनिया भर में रिलीज होने पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने का वादा करता है।

ओ रोमियो से लेकर स्पिरिट तक, तृप्ति डिमरी के हाथ में कई बड़ी फिल्में, 2026 में छा जाने की है तैयारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आने वाले समय में कई शानदार फिल्मों में दिखाई देंगी. नया साल तृप्ति डिमरी के लिए काफी बिजी और खास होने वाला है, क्योंकि उनके पास बॉलीवुड से लेकर साउथ और ओटीटी प्रोजेक्ट्स तक लाइनअप तैयार है. तृप्ति डिमरी ने साल 2017 में आई श्रेयर तलपड़े की 'पोस्टर बॉयज से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. इस फिल्म में वो सपोर्टिंग रोल में नजर आई थीं. इसके बाद उन्हें 2018 की 'लैला मजनूं में लीड रोल मिला, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस ने खूब तारीफें बटोरीं. फिर ओटीटी पर 'बुलबुल (2020) और 'कला (2022) से तृप्ति को क्रिटिकल फेम मिला. वहीं, रणबीर कपूर के साथ एनिमल (2023) में उनकी भूमिका ने उन्हें बड़ी पॉपुलैरिटी दिलाई और उन्हें 'नेशनल क्रश बना दिया. इसके बाद भूल भुलैया 3 (2024) और धड़क 2 (2025) जैसी फिल्मों से उनका करियर और मजबूत हुआ है. वहीं अब एक्ट्रेस कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आने वाली हैं. इनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई हैं. बता दें, तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के साथ फिल्म ओ रोमियो में रोमांस करती नजर आएंगी. इस रोमांटिक फिल्म को विशाल भारद्वाज बना रहे हैं जो 13 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है. वहीं, एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म का हिस्सा बन गई हैं. अपकमिंग फिल्म स्पिरिट में तृप्ति साउथ स्टार

प्रभास के साथ नजर आने वाली हैं. फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, हालांकि अभी रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठा है. रिपोर्ट्स की मानें तो तृप्ति डिमरी ओटीटी प्रोजेक्ट मां-बहन का भी हिस्सा हैं. इस फिल्म में तृप्ति डिमरी माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी. ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है. इसके अलावा खबरें हैं कि, तृप्ति डिमरी लीजेंड्री एक्ट्रेस परवीन बाबी की बायोपिक में लीड रोल अदा करने वाली हैं. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक इसे नेटफ्लिक्स के लिए एक लिमिटेड एडिशन सीरीज के रूप में बनाया जा रहा है. इस सीरीज को शोनाली बोस डायरेक्ट कर रही हैं जिसकी शूटिंग मार्च 2026 में शुरू हो सकती है.

द राजा साब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 2: दमदार ओपनिंग के बाद औंधे मुंह गिरी प्रभास की फिल्म

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के डार्लिंग और ग्लोबल सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब ने सिनेमाघरों में दस्तक देते ही बॉक्स ऑफिस पर हलचल तो मचा दी, लेकिन दूसरे दिन के आंकड़ों ने निर्माताओं की को भी हैरान कर दिया है। पहले दिन दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की ऐतिहासिक ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म को लेकर उम्मीद थी कि ये वीकेंड पर नए कीर्तिमान स्थापित करेगी, लेकिन इसका शनिवार का कारोबार बड़ी गिरावट लेकर आया। प्रभास के प्रति फैंस की दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रिलीज के पहले दिन सिनेमाघरों के बाहर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। फैंस की भारी दीवानगी की बदौलत फिल्म ने 53 करोड़ की शानदार ओपनिंग ली। हालांकि, शनिवार को इसकी रफ्तार काफी धीमी पड़ गई और सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म का कारोबार गिरकर महज 27 करोड़ रह गया। 2 दिनों में भारत में फिल्म की कुल कमाई 90.75 करोड़ हो गई है। किसी भी बड़े बजट की फिल्म के लिए पहले 3 दिन सबसे महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इसी दौरान फिल्म अपनी लागत का बड़ा हिस्सा वसूलने की कोशिश करती है। द राजा साब ने पहले दिन शानदार ओपनिंग ली, लेकिन दूसरे दिन 48 प्रतिशत की गिरावट ने निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है। फिल्म को हिट होने के लिए लंबे समय तक टिके रहना जरूरी है। बता दें कि द राजा साब करीब 400 करोड़ के भारी बजट में बनी है। मारुति के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी प्रभास के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें विरासत में एक पुरानी और रहस्यमयी हवेली मिलती है। यह हवेली उनके पूर्वजों की है, जिन्हें लोग राजा साब के नाम से जानते थे। फिल्म के विलेन संजय दत्त हैं। इसमें मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल भी हैं। निर्माताओं ने फिल्म के अंत में एक सरप्राइज देते हुए इसके दूसरे भाग की पुष्टि की है। दूसरे भाग का नाम होगा द राजा साब: सर्कस 1935।

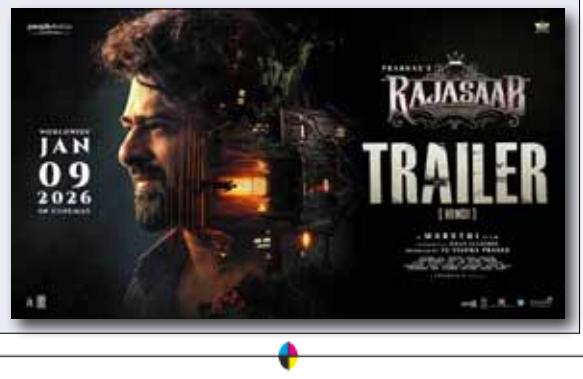

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज, आकांक्षा पुरी बोलीं- बेहद खास है लिरिक्स

अभिनेत्री और सिंगर आकांक्षा पुरी का लेटेस्ट भोजपुरी सिंगल कमर 28 म्यूजिक लेबल टी-सीरीज के तहत रिलीज हो चुका है। इस गाने में आकांक्षा भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह के साथ नजर आ रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। गाने को लेकर आकांक्षा बेहद उत्साहित हैं, जिसे जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि कमर 28 उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, यह गाना विशेष रूप से मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया है। यही कारण है कि यह मेरे इतने करीब और बेहद खास है। लिरिक्स अपना सा और पर्सनल फील देते हैं। गाने की लिरिक्स धीरज बाबुआन ने लिखी है, जबकि म्यूजिक एडीआर आनंद का है। आकांक्षा और नीलकमल की जोड़ी हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। नीलकमल के साथ अपने रिश्ते पर आकांक्षा ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है और हम दोनों के बीच दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है। नीलकमल बहुत क्रिएटिव हैं और उनके साथ शूटिंग करना मजेदार लगता है। हम आउटफिट्स, हेयरस्टाइल से लेकर कलर थीम्स तक सब कुछ पहले से प्लान करते हैं, जिससे शूटिंग और भी रोमांचक हो जाती है। मुझे उनका इन्वॉल्वमेंट और डेडीकेशन बहुत पसंद है। उनके साथ काम करके उत्साहित हूं। कमर 28 के बाद आकांक्षा के अगले चार महीनों में चार और गाने रिलीज होने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने मुख्य रूप से म्यूजिक वीडियोज और गानों के जरिए भोजपुरी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रियता हासिल की है। वह पवन सिंह के साथ तुझे ना देखूं तो चैन जैसे गाने में नजर आ चुकी हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव के साथ उनकी जोड़ी सुपरहिट रही है, खेसारी के साथ आकांक्षा लटक जईब, बदनाम तहरा से, सरसों के तेलवा, लोहा गरम और अहिरान में काम कर चुकी हैं। ये गाने लाखों व्यूज बटोर चुके हैं। वीडियो सॉन्ग के बाद आकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में भी डेब्यू कर रही हैं। वह खेसारी लाल के साथ फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी।

Section 17A of Prevention of Corruption Act: SC delivers split verdict; what the two judges said

New Delhi,Agency: The Supreme Court on Tuesday pronounced a split verdict on the constitutional validity of Section 17A of Prevention of Corruption Act that barred the agencies from probing corruption charges against government officials without the Centre's permission.

A bench of Justices KV Vishwanathan and BVNagarathna differed on the decision with the former judge observing that the said provision is constitutionally valid and the latter holding it as unconstitutional and should be struck down.

Justice Nagarathna said that no prior sanction should be needed from competent authority to prosecute a public official, claiming that the requirement of prior sanction is contrary to the object of the Act

"Section 17A is unconstitutional and it ought to be struck down. No prior approval is required to be taken. This provision is an attempt to resurrect what has been earlier struck down in Vineet Narain and Subramanian Swamy judgments. The requirement of prior sanction is contrary to the object of the Act, and it forecloses inquiry and protects the corrupt rather than seeking to protect the honest and those with integrity who really do not require any protection," Justice Nagarathna observed as quoted by Live Law.

She added that corruption in the country is rampant and pervasive and there is a need to have strong anti-corruption law, claiming that section 17A of Prevention of Corruption Act protects a corrupt official.

Meanwhile, Justice K V Viswanathan said that the provision is valid but Lokpal/Lokayuta should decide whether a govt official should be prosecuted or not.

he added that striking down Section 17A would amount to "throwing the baby out with the bathwater".

"Section 17A is constitutionally valid subject to the condition that the sanction must be decided by the Lok Pal or the Lok Ayukta of the State," Justice Viswanathan observed.

He added that unless honest and public servants are shielded from frivolous investigations, a "policy paralysis" will set in.

He also emphasised that a fine balance has to be maintained between the need to protect a public servant from mala fide cases and the importance of upholding probity in public offices.

He in his opinion reasoned that object of Section 17A was not to condone illegal acts but to have a screening mechanism.

"Bhagvad Geeta says for a self-respecting man even death is more preferable than disrepute. In this age of technology and social media the act of parading in court etc. is irreversible even if proven innocent later", the judge said.

The bench thus, ordered referring the matter to the Chief Justice of India. We direct the Registry to refer the matter to the Chief Justice of India to constitute an appropriate bench to hear the matter afresh

This comes after 'Centre for Public Interest Litigation' filed a plea in the apex court, claiming that introduction of Section 17A in PC Act was nothing but resurrection of the earlier Section 6A of Delhi Special Police Establishment Act, infamously known as 'single directive' which mandated the CBI to take the Centre's sanction before probing joint secretary and above level officers.

Advocate Prashant Bhushan, representing CPIL, had contended that Section 17A had become a tool to shield corrupt officials and obstruct legitimate inquiries.

What the law says

According to the Section 17A of the act, no police officer shall conduct any enquiry or inquiry or investigation into any offence alleged to have been committed by a public servant under this Act, where the alleged offence is relatable to any recommendation made or decision taken by such public servant in discharge of his official functions or duties, without the previous approval

"Provided further that the concerned authority shall convey its decision under this section within a period of three months, which may, for reasons to be recorded in writing by such authority, be extended by a further period of one month," it adds.

Ex-Admiral Prakash submits eligibility documents; set to be included in Goa's final roll

New Delhi,Agency: Former Indian Navy chief Admiral Arun Prakash (retired) on Monday reportedly submitted all the necessary documents linking him to the electoral roll from last special intensive revision (SIR), paving the way for early resolution of the matter relating to the system-driven notice issued to him after all the fields in his enumeration form (EF) pertaining to linkage with the last SIR roll, were left blank.

"The documents were collected by the competent field officer on Monday and the matter will be settled, perhaps by Tuesday, making the retired Admiral and his wife eligible for inclusion in the final electoral roll of Cortalim assembly constituency (AC) in Goa," an officer aware of the proceedings told media on Monday.

Similarly, a hearing due on Jan 16 on the notice served to Nobel laureate Amartya Sen, an elector in Bolpur AC of West Bengal, after the age of his mother, with whom he was mapped in

the EF filled and submitted by his relative, was reportedly found to be less than Sen's, is expected to sort out the anomaly. A hearing will be held at Sen's registered address at Shanti Niketan, and the relative will have the opportunity to correctly map Sen to the SIR from the last roll, said an officer.

In a clarification issued in Admiral Prakash's case on Monday, the Cortalim ERO explained that his EF was categorised as "unmapped" after it was observed that the said EF did not contain the mandatory particulars relating to the previous SIR, including the name of the elector, EPIC number, name of the relative, name and number of the AC, part number, and serial number in the electoral roll. "In the absence of these essential identification details, the BLO application was unable to establish an automatic linkage between the submitted EF and the existing electoral roll database," the ERO said. Underlining that the BLO application is designed to automatically map EFs only when the prescribed identification particulars are duly filled in, the Cortalim ERO said the blank fields in Prakash's EF triggered the system to categorise his EF as "unmapped", mandating an auto-generated notice for further verification through a hearing mechanism.

Retail inflation inches up to 3-month high of 1.3% in December

New Delhi,Agency: Retail inflation inched up to a three-month high in Dec, led by narrowing deflation in some food prices and fading favourable base effect, but remained below the Reserve Bank of India's (RBI) tolerance level for the fourth month in a row.

Data released by the National Statistics Office (NSO) on Monday showed retail inflation, as measured by the consumer price index (CPI), rose an annual 1.3%, higher than the 0.7% in Nov and below the 5.2% in Dec 2024.

Food inflation contracted 2.7% in Dec and there is an increase of 120 basis points compared to Nov. Rural inflation was at 0.8% while urban was at 2% during Dec.

Core inflation, which excludes food and fuel, soared to a 28-month high of 4.8% during the month, up from 4.4% in Nov, led

by a sharp spike in gold and silver prices, which surged 69% and 97% year-onyear, respectively. Excluding these metals, core inflation moderated to 2.3% in Dec.

The increase in overall inflation and food inflation during Dec was largely attributed to increase in inflation of personal care and effects, vegetables, meat and fish, egg, spices and pulses and products. Personal care and effects, which includes gold and silver, rose 28.1% in Dec.

Maha civic polls: Voter ID cards found in garbage

Chhatrapati Sambhaji Nagar,Agency: The discovery of several Aadhaar, PAN, and voter identity cards in a garbage heap at Savarkar Chowk in Jalna city Sunday, barely three days ahead of the municipal corporation elections in Maharashtra, has raised concerns, reports Mohammed Akhef. Officials said the model code of conduct cell received a complaint, stating that 17 Aadhaar cards, three, PAN cards, and four voter ID cards - 24 in all - were found discarded. An FIR was lodged in the case.

Gen-Z protests in 3 Asian nations must be examined: Manish Tewari

New Delhi,Agency: Congress MP Manish Tewari said there should be a deep study of the Gen-Z protests that brought down govts in three South Asian countries in the last three years to check if they were organic movements arising out of grievances.

Tewari said these movements should be examined for the critical difference between autonomous agitations over grievances, and agitations driven by narratives where grievances may have been weaponised. Though he did not point at any country which could have virtually carried out coups in Asia in the name of youth protests, his remark

suggested that suspicions could not be simply brushed off. Starting with Sri Lanka, protests brought down elected govts in Nepal and Bangladesh — all in the Indian neighbourhood.

The note of caution came as Tewari spoke about the turbulent contemporary world, from Venezuela to Bangladesh to Greenland to Ukrainian invasion, at the launch of his new book "A World Adrift". The book was released by former foreign minister Yashwant Sinha at IIC, and the gathering included P Chidambaram, Ghulam Nabi Azad, Vivek Tankha, Mukul Wasnik, and a host of foreign delegates, among others.

As he spoke on raging geopolitical issues, Tewari dismissed the belief that "India has lost Bangladesh" after protests toppled the Sheikh Hasina govt that set in motion developments which have increased the friction between India and Bangladesh. He said India invested blood and treasure in creating Bangladesh under the leadership of Indira Gandhi, and "that reality is not lost on the people of Bangladesh".

Delhi CM distributes Rs 25.25 crore scholarships to 1,709 students

New Delhi,Agency: Coinciding with the birth anniversary of Swami Vivekananda, Delhi Chief Minister Rekha Gupta on Monday distributed scholarships worth Rs 25.25 crore to 1,709 meritorious students from economically weaker sections under the Delhi Higher and Technical Education Assistance Scheme.

Addressing the scholarship distribution programme at Thyagaraj Stadium, Gupta said providing financial assistance to students was the Delhi government's investment in their future and a step towards strengthening the city's youth.

The event was attended by Education Minister Ashish Sood, senior officials of the Education Department, vice chancellors of various universities, educationists and a large number of students, according to a statement.

The chief minister said that scholarship amounts for the academic years 2023-24 and 2024-25

had been transferred directly to the bank accounts of eligible students studying in universities across Delhi. She also informed that a pending scholarship amount of Rs 19 crore from the previous government's tenure had been released by the present government, asserting that no funds earmarked for students' education would remain pending in future.

Marking National Youth Day, Gupta urged students to draw inspiration from the thoughts and philosophy of Swami Vivekananda and to pursue their goals with dedication and discipline.

She said the progress of the nation depended on the advancement of its youth and highlighted the role of young people in achieving the goal of a developed India by 2047.

The chief minister also said that national development was not possible through government policies alone and required the collective responsibility and active participation of citizens.

Speaking on the occasion, Sood said the government was committed to improving the education sector and ensuring that students from disadvantaged backgrounds received adequate support.

He said the government's approach was guided by the principle of Antyodaya, aimed at ensuring that benefits reached those at the lowest rung of society. He said the Narela Education City project, which had remained stalled for several years, was now being implemented.

He added that the project's budget had been increased from Rs 500 crore to Rs 1,300 crore and would include shared university campuses, auditoriums, libraries, digital libraries and ICT laboratories spread across 160 acres.

The Education Minister said the objective of the government was to address challenges in the education sector through policy measures and effective implementation, adding that education would play a key role in shaping leadership for the future.

Meritorious students from economically weaker sections who have passed Class XII from Delhi schools with at least 75 per cent marks and meet the prescribed income criteria are eligible for financial assistance under the Delhi Higher and Technical Education Assistance Scheme, it said.

The scholarship amount is transferred directly to beneficiaries' bank accounts through the Direct Benefit Transfer (DBT) system, it added.